संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 321
पृष्ठ 8
शनिवार
10 अगस्त 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित　Email : shaharsamta@gmail.com　Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सफेद बालों को इन हेयर कलर... | विचार- बांग्लादेश को लेकर संजीदगी जरूरी | खेल- समापन समारोह में मनु के साथ पीआर..

मुख्यमंत्री ने किया काकोरी ट्रेन एक्शन समारोह मे शुभारंभ, शहीदों को किया नमन

● **तत्कालीन सरकार की कायरता का प्रमाण था काकोरी ट्रेन एक्शन : योगी**

● **प्रदेश में साढ़े चार करोड़ घरों पर फहराएगा तिरंगा**

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की वीर भूमि काकोरी में आज शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्व के अंतर्गत वीरों के नमन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए डाक अनावरण व संस्कृत विभाग द्वारा निर्मित पुस्तिका का विमोचन किया और बच्चों के साथ काकोरी शहीद मंदिर के बाहर सेल्फी ली ।सीएम योगी ने इस अवसर पर कहा कि अब भारत का समय आ गया है, दुनिया की कोई शक्ति हमें महाशक्ति बनने से रोक नहीं सकती ।उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा जो पंच प्रण दिलाए गए हैं, उनको देश के हर नागरिक को आत्मसात करना होगा। यही हमारे अमर बलिदानियों और शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अगर हम इन प्रण को आत्मसात करके अपने कार्यों को पूरा करते हैं तो कोई कारण नहीं है कि हमारा देश विश्वगुरु और दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति न बने। सीएम योगी ने काकोरी ट्रेन एक्शन को याद करते हुए कहा कि देश से बाहर जा रहे राजस्व को देश सेवा में प्रयुक्त करने की मंशा से जो कार्य पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह जैसे वीर सपूतों ने किया था उसने न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरीं थी। प्रदेश भर में आयोजित कार्यक्रमों के जरिए यह मां भारती के वीर सपूतों, उन महान क्रांतिकारियों को जिन्होंने सर्वस्व बलिदान किया था, उन

सभी ज्ञात–अज्ञात सेनानियों व शहीदों को नमन करने का अवसर है। आजादी एक दिन में प्राप्त नहीं हुई। अलग–अलग कालखंड में हुए संघर्षों से इसकी नींव पड़ी। अब आजादी के अमृत काल के शुभारंभ के अवसर पर ही काकोरी एक्शन के शहीदों के प्रति कृतज्ञता प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन के दौरान क्रांतिकारियों ने रणनीति बनाकर भारत का पैसा जो ब्रिटेन ले जाया जा रहा था उसे रोककर भारत की क्रांति में धन का उपयोग किया था। तब जो रकम प्राप्त हुई थी वह मात्र 4,679 रुपए थी, जबकि अंग्रेजी हुकूमत ने 10 लाख रुपए केवल केस पर खर्च कर दिए। घटना में बिना सुनवाई के ही वीरों को फांसी की सजा सुना दी गई थी और नियत दिन से एक दिन पहले ही फांसी दे कर उस समय की हुकूमत ने कायरता दिखाई थी। सीएम योगी ने कहा कि एक्शन में शामिल कुछ वीर सपूतों को फांसी हुई, जबकि कुछ को कालापानी की सजा हुई। इन सभी को अंग्रेजों ने तमाम प्रलोभन दिए मगर इनका एक ही जवाब था, श्जीवन पुष्प चढा चरणों पर, मांगे मातृभूमि से यह वर। तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें। इसी संकल्प के साथ खुद को बलिदान करना स्वीकार किया मगर हार नहीं मानी। आजादी शहीदों के बलिदान का परिणाम है 1942 में 9 अगस्त यानि आज ही के दिन महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का आगाज किया था। आज हर शहीद स्माकर पर राष्ट्र धुन के साथ विभिन्न बैंड की धुन बजेगी। हर घर तिरंगा अभियान चलेगा जिसमें हर घर तिरंगा फहराया जाएगा। उत्तर प्रदेश में साढ़े चार करोड़ तिरंगा हर घर फहराया जाएगा। एक वर्ष तक चलने वाले राष्ट्रभक्ति के विभिन्न कार्यक्रमों में हम सबकी सहभागिता होनी चाहिए। आज नाग पंचमी है। नाग कुंडलिनी शक्ति का द्योतक है। कल भारत को हॉकी और जैवलिन थ्रो में भी नीरज चोपड़ा को मेडल प्राप्त हुआ है, इन सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन है, देश इनसे प्रेरणा ले रहा है।

नीरज चोपड़ा से पीएम मोदी ने की बात, सिल्वर मेडल जीतने पर दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओलंपिक में सिल्वर मेडल हासिल करने वाले नीरज चोपड़ा से बात की और रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने उनकी चोट के बारे में भी जानकारी ली और उनकी मां की खेल भावना की सराहना की। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित देश के विभिन्न वर्ग के लोगों ने नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक खेलों में रजत पदक जीतने पर बधाई देते हुए भाला फेंक के इस स्टार खिलाड़ी को उत्कृष्टता का साकार रूप करार दिया। तोक्यो ओलंपिक के चौंपियन चोपड़ा ने बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक में रजत पदक जीता। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता का साकार रूप हैं। बार–बार उन्होंने अपनी श्रेष्ठता की बानगी दी है। भारत हर्षित है कि उन्होंने एक बार फिर ओलंपिक में सफलता पाई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रजत जीतने पर उन्हें बधाई। वह आने वाले असंख्य खिलाड़ियों को अपने सपने पूरे करने और देश को गौरवान्वित करने के लिये प्रेरित करते रहेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने उम्मीद व्यक्त की कि चोपड़ा आगे भी देश के लिए पदक जीतेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने और इतिहास रचने पर हार्दिक बधाई। वह लगातार दो ओलंपिक खेलों में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत को उन पर गर्व है। उनकी उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। भारत को उम्मीद है कि नीरज चोपड़ा भविष्य में और अधिक पदक जीत कर देश का गौरव बढ़ाएंगे। अपने बेटे के रजत पदक से खुश नीरज चोपड़ा की मां सरोज देवी ने पेरिस में गत चौंपियन भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी को हराकर ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ने वाले पाकिस्तान के अरशद नदीम के लिए भी खुशी व्यक्त की और कहा कि वह भी उनके 'बच्चा' जैसा है। नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर के रिकॉर्ड ओलंपिक प्रयास से स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि नीरज ने सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता।

देवी मां पार्वती का हुआ तमिलनाडु में अपमान! धार्मिक उत्सव के होर्डिंग पर मिया खलीफा की लगाई गयी फोटो

तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में एक धार्मिक उत्सव के लिए लगाए गए होर्डिंग में पूर्व वयस्क फिल्म स्टार मिया खलीफा की तस्वीर दिखाई दी। होर्डिंग 'आदि' उत्सव के लिए लगाया गया था, जिसमें तमिलनाडु भर के मंदिरों में देवी अम्मान (पार्वती) की पूजा की जाती है। उत्सव आमतौर पर प्रत्येक गाँव में भव्य होता है, जिसमें हज़ारों लोग कई दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में शामिल होते हैं। इन भव्य योजनाओं

के हिस्से के रूप में, कुरुविमलाई में नागथम्मन और सेलियाम्मन मंदिरों में उत्सव की रोशनी के साथ होर्डिंग लगाए गए थे। इनमें से एक होर्डिंग तब वायरल हो गया जब मिया खलीफा की छवि देवताओं की तस्वीरों के साथ दिखाई दी। पूर्व वयस्क फिल्म स्टार की छवि को इस तरह से संशोधित किया गया था कि ऐसा लगे कि वह 'पाल कुडम' (दूध का बर्तन) ले जा रही हैं, जो उत्सव में पारंपरिक प्रसाद का एक हिस्सा है। इसके अलावा, होर्डिंग लगाने के लिए जिम्मेदार लोगों ने यह सुनिश्चित किया कि उनकी छवि भी होर्डिंग में दिखाई दे। इसलिए, उन्होंने होर्डिंग पर अपना नाम आधार कार्ड के प्रारूप में लिखा। होर्डिंग की तस्वीर वायरल होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसे उतार लिया।

उपवर्गीकरण के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाए सरकार: मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उच्चतम न्यायालय द्वारा राज्यों को अनुसूचित जाति और जनजातियों के आरक्षण में उप–वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार दिये जाने के फैसले को संविधान संशोधन के जरिये निष्प्रभावी करने पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार से संसद के इसी सत्र में संविधान संशोधन विधेयक लाने की मांग की। मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आज मिलने गये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एससी/एसटी (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति) सांसदों को यह आश्वासन देना कि कोटे में क्रीमी लेयर को लागू नहीं करने तथा एससी–एसटी के आरक्षण में कोई उप–वर्गीकरण भी नहीं करने की उनकी मांगों पर गौर

किया जाएगा, यह उचित है और ऐसा किए जाने पर इसका स्वागत।" भाजपा सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और एससी व एसटी के बीच क्रीमी लेयर की पहचान करने पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में यह भी कहा, "लेकिन अच्छा होता कि उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ के समक्ष बहस में केन्द्र सरकार की तरफ से एटार्नी जनरल द्वारा आरक्षण को लेकर एससी व एसटी में क्रीमी लेयर लागू करना तथा इनका उप–वर्गीकरण किए जाने के पक्ष में दलील नहीं रखी गयी होती, तो शायद यह निर्णय नहीं आता।" बसपा प्रमुख ने अपने सिलसिलेवार पोस्ध्ट में आशंका जाहिर करते हुए कहा, "उच्चतम न्यायालय के एक अगस्त 2024 के निर्णय को संविधान संशोधन के जरिए जब तक निष्प्रभावी नहीं किया जाता तब तक राज्य सरकारें अपनी राजनीति के तहत वहां इस निर्णय का इस्तेमाल करके एससी/एसटी वर्ग का उप–वर्गीकरण व क्रीमी लेयर को लागू कर सकती हैं। अतः संविधान संशोधन बिल इसी सत्र

हिजाब, नकाब, बुर्का बैन पर बड़ा फैसला, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- तिलक, बिंदी को छूट क्यों?

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मुंबई के एक कॉलेज द्वारा जारी उस सर्कुलर पर रोक लगा दी, जिसमें उसके परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का, टोपी और इसी तरह की पोशाक पहनने पर प्रतिबंध लगाया गया था। हालाँकि, अदालत ने कहा कि लड़कियों को कक्षा के अंदर बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती और परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ ने केंद्र में कॉलेज प्रशासन से कहा कि छात्रों को यह चुनने की आजादी होनी चाहिए कि वे क्या पहनें और कॉलेज उन पर दबाव नहीं डाल सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट-पीजी परीक्षा स्थगित करने की याचिका की खारिज

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए 11 अगस्त को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट–पीजी) 2024 'कुछ व्यवहारिक परेशानियों' का हवाला देते हुए स्थगित या पुर्निर्धारित करने की मांग वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विशाल सोरेन और अन्य के याचिका पर

संबंधित पक्षों के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद कहा कि वह परीक्षा आयोजित होने से कुछ दिन पहले उसे स्थगित करने का आदेश नहीं दे सकती। श्री सोरेन और अन्य द्वारा दायर याचिका दलील दी गई थी कि अभ्यर्थियों को एन वक्त पर ऐसे शहरों में परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद मुश्किल हो रहा है। उन्हें अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। याचिका दायर करते समय में कहा गया था कि परीक्षा शहरों का आवंटन 31 जुलाई को किया गया और परीक्षा केंद्रों की घोषणा आठ अगस्त को की जानी है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी सिसोदिया को जमानत, कहा-जमानत नियम और जेल अपवाद

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय दिल्ली की कथित अबकारी नीति घोटाले में भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामले में अलग–अलग दर्ज मुकदमों के आरोपी आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को सशर्त जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ 17 महीने से दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को जमानत देते हुए कहा, "...जमानत नियम है और जेल अपवाद...।" शीर्ष अदालत ने श्री सिसोदिया को अपना पासपोर्ट जमा करने, हर सोमवार को संबंधित जांच अधिकारी को रिपोर्ट करने, गवाहों को प्रभावित नहीं करने तथा 10 लाख रुपए के निजी मुचलके समेत अन्य शर्तों के साथ जमानत दी। पीठ ने सिसोदिया की याचिका

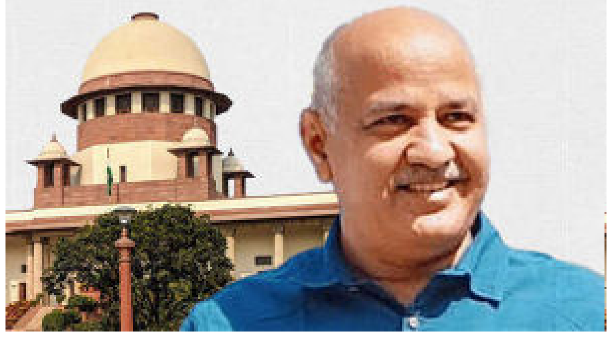

मंजूर करते हुए कहा कि जमानत को सजा के तौर पर खारिज नहीं किया जा सकता। निचली अदालत और उच्च न्यायालयों को यह समझने का समय आ गया है कि जमानत नियम है और जेल अपवाद है। शीर्ष अदालत ने निचली अदालत के इस निष्कर्ष को खारिज कर दिया कि आरोपी भी ट्रायल में देरी के लिए जिम्मेदार थे। पीठ ने इस संबंध में सिसोदिया के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से की गई प्रतिकूल टिप्पणियों को भी खारिज कर दिया। उच्चतम न्यायालय की ओर से दोनों मामले में जमानत मंजूर किए जाने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया के जेल से बाहर आने का रास्ता अब साफ हो गया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अब रद्द हो चुकी दिल्ली अबकारी नीति 2021–22 के मामले में कथित घोटाले के आरोप में उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था।

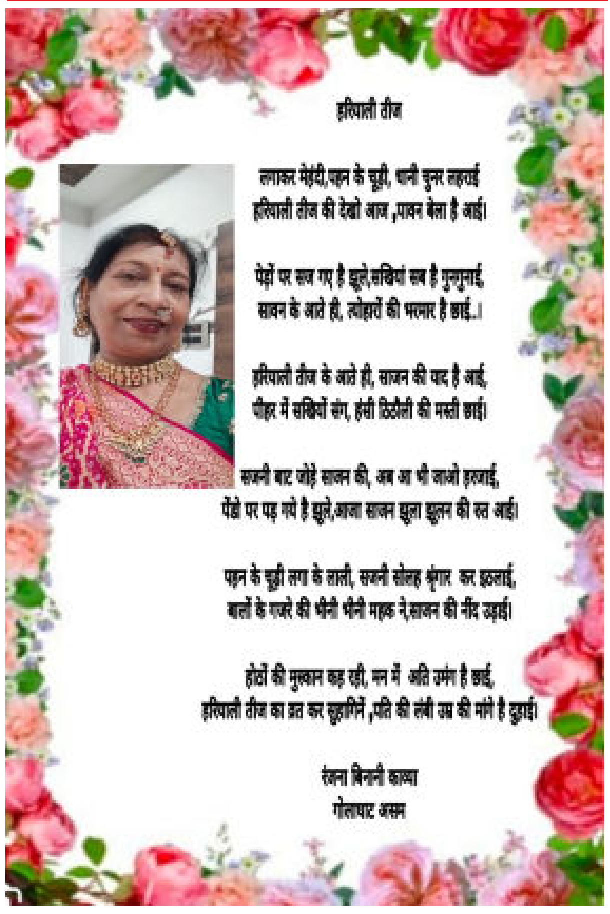

लोकरंजन प्रकाशन एवं शहर समता के संयुक्त तत्वावधान में

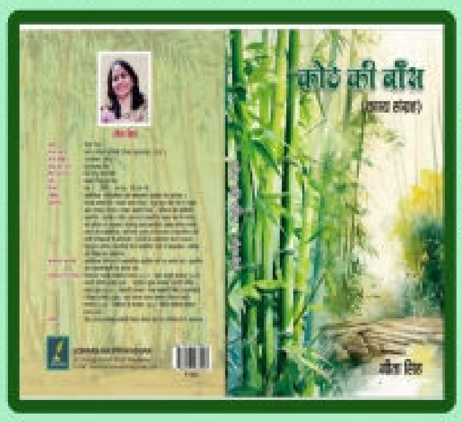

कवयित्री गीता सिंह के कविता संग्रह "कोठ की बाँस" का लोकार्पण एवं काव्यगोष्ठी

अध्यक्षता - डॉ कल्पना वर्मा जी
मुख्य अतिथि - डॉ रामजी मिश्र जी
विशिष्ट अतिथि - वरिष्ठ कवयित्री प्रेमा राय जी

कार्यक्रम स्थल - शहर समता का कार्यालय कर्नलगंज गंज थाने के पीछे
दिन - 11 अगस्त (रविवार)
समय - दिन में 3 बजे से

निवेदक - गीता हास्पिटल टैगोर टाउन, प्रयागराज

मूरी एक्सप्रेस के सामने पत्थर रखने की जांच अधूरी

प्रयागराज में दो ट्रेनों को पलटाने की साजिश से नहीं उठा पर्दा, कंक्रीट का ढक्कन और पत्थर रखा था

प्रयागराज। ट्रेनों के लगातार पटरी से उतरने के हादसों से रेलवे में खलबली मची है। ट्रेनें डिरेल क्यों हो रही हैं, अचानक से ऐसी घटनाएं बढ़ी क्यों हैं इसे लेकर हादसा था या साजिश के एंगल पर भी बात होने लगी है। ऐसे में रेलवे उन पुरानी घटनाओं की तरफ फिर से तवज्जो दे रहा है जिन पर रहस्य के पर्दे नहीं उठ सके। प्रयागराज में ऐसी दो घटनाएं हैं जिन्हें लेकर रेलवे अफसर सांसत में आ गए थे। रेलवे और पुलिस की संयुक्त टीमों ने मशक्कत की लेकिन अब तक दो ट्रेनों को पलटाने की साजिश का खुलासा नहीं हो सका है। प्रयागराज में एक तो मूरी एक्सप्रेस ट्रेन के गुजरने से पहले रेलवे ट्रैक पर कंक्रीट का बड़ा ढक्कन रख उसे पलटाने की कोशिश हुई थी। तब भी इंजन के अंदर से ड्राइवर ने बड़े धमाके जैसी आवाज सुनी थी। दूसरी घटना मालगाड़ी को पलटाने की सामने आई थी। तब रेलवे पटरी पर एक बड़ा पत्थर रख दिया गया था। पत्थर इंजन से टकराया था और जोरदार धमाका हुआ था। हालांकि दोनों ही ट्रेनें ड्राइवरों की सूझबूझ से पलटने से बच गई थीं।

एक पूरामुक्ती, दूसरी मांडा में हुई थी

रेलवे पटरी, ट्रैक पर कंक्रीट का बड़ा ढक्कन, पत्थर रख ट्रेनों को पलटाने की यह घटना एक पूरामुफ्ती में हुई थी जबकि दूसरी मांडा में। रेलवे अफसरों की तरफ से मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरपीएफ, रेलवे, जीआरपी और सिविल पुलिस ने कई दिनों तक गांव–गांव पूछताछ की थी। रेलवे ट्रैक की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए गए थे।

17 गांवों के 330 लोगों से हुई थी पूछताछ

यह मामला इतना गंभी था कि पुलिस समेत अन्य एजेंसियों ने 17 गांवों के करीब 330 लोगों से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया था। हालांकि इतनी लंबी पूछताछ, सीसीटीवी खंगालने के बाद भी घटना से पुलिस पर्दा नहीं उठा सकी थी। अब तक यह मामला जांच के दायरे में ही है।

14 जनवरी को हुई थी घटना

यह घटना 14 जनवरी को दोपहर 2:30 बजे के करीब हुई थी। अनुज, जो उत्तर मध्य रेलवे के मनौरी रेलवे स्टेशन पर तैनात हैं ने रिपोर्ट कराई कि संबलपुर उड़ीसा से चलकर नई दिल्ली जा रही गाड़ी संख्या 18309 मूरी एक्सप्रेस के गुजरने वाले ट्रैक पर हादसा हुआ। रेलवे इंजीनियरिंग कंट्रोल विभाग से मिली सूचना के मुताबिक, छबीलेपुर गांव के पास ट्रेन एक पत्थर के टुकड़े से टकराई।

जांच में पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने 1.7 मीटर का कंक्रीट बाउंड्री पोस्ट को अप लाइन ट्रैक पर रख गया था। ट्रैक के दोनों ओर टूटे हुए पत्थर के निशान भी पाए गए। पत्थर से टकराने के बाद ट्रेन के लोको पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए इसे नियंत्रित किया। ऐसा न कर पाने की स्थिति में बड़ी दुर्घटना हो सकती थी और ट्रेन में सवार यात्रियों के जान–माल की हानि हो सकती थी।

मांडा रोड रेलवे ट्रैक पर भी ऐसी ही घटना

मांडा रोड रेलवे ट्रैक पर कंक्रीट का बड़ा ढक्कन रखने की साजिश सामने आई थी। घटना रात 7रू56 बजे की थी। प्रयागराज छिवकी पोस्ट मांडा रोड आरपीएफ की ओर से मामला दर्ज कराया गया था। दिल्ली रूट की ओर से मालगाड़ी मेजा–ऊंचडीह के बीच मांडा रोड रेलवे ट्रैक पर पहुंची तो ट्रैक डाउन लाइन किलोमीटर नंबर 780ध्28.26 पर मालगाडी का इंजन तेज आवास के साथ किसी वस्तु से टकराया। टक्कर और जोरदार आवाज होने पर चालक ने मालगाड़ी रोक दी। इंजन और रेलवे ट्रैक की जांच हुई तो तस्वीर साफ हो गई कि आरसीसी कंक्रीट का ढक्कन इंजन से टकरा कर टूट गया।

प्रयागराज में एसबीआई मैनेजर को 24 मोबाइल नंबरों से धमकी

महिला अधिकारी ने दर्ज कराया केस, फोन कर डरा–धमका रहा, नंबरों की लिस्ट दी

प्रयागराज। प्रयागराज के करेली इलाके में भातीय स्टेट बैंक की शाखा प्रबंधक को धमकी देने का मामला सामने आया है। महिला शाखा प्रबंधक को अलग अलग नंबरों, वाट्सएप कॉल के जरिय धमकी दी ज रही है। कहा जा रहा है कि आकर मिलो अन्यथा बुरा अंजाम होगा। बैंक मैनेजर ने नंबरों का ब्लाक करना शुरू किया तो अलग अलग मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर धमकी दी जा रही है।

करीब 24 अलग मोबाइल नंबरों से धमकी देने का मामला सामने आया है। कॉल करने वाला सिराफिरा कहा जा रहा है। वह उलटी सीधी बातें कर मिलने को बोल रहा है। महिला शाखा प्रबंधक ने मोबाइल नंबरों की लिस्ट सौंपकर करेली थाने में केस दर्ज कराया है। करेली पुलिस का कहना है कि नंबर और आईडी के आधार पर जांच की जा रही है।

जानिये क्या है पूरा मामलाः फतेहपुर के कुंडे रामपुर की रहने वाली अनु आर वर्मा प्रयागराज के करेली इलाके में एसबीआई बैंक की प्रबंधक हैं। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उन्हें लगातार फोन कर परेशान किया जा रहा है। कॉल करने वाले शख्स को वह नहीं जानतीं। पूछताछ करने पर वह अपने बारे में कुछ नहीं बता रहा है। एक नंबर ब्लाक करने, न उठाने पर वह नंबर बदल कर कॉल कर धमकी देने लगता है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह शख्स जबरन परेशान कर रहा है जिससे उन्हें काम करना मुश्किल हो गया है। मोबाइल नंबरों का विवरण थाने में दिया गया है।

प्रयागराज के अभ्युदय ने जीता गोल्ड मेडल

प्रयागराज। प्रयागराज के ब्वॉयज हाई स्कूल के 9वीं के छात्र अभ्युदय सिंह ने अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता है। आगरा में 5 से 7 अगस्त के बीच आयोजित आईसीएसई स्कूल्स उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड प्रतियोगिता में अंडर–17 सिंगल्स में स्वर्ण पदक और डबल्स में रजत पदक जीता है। अभ्युदय की इस सफलता पर उनके माता–पिता, डॉ. सौरभ सिंह और डॉ. मयूरिका सिंह समेत सगे–संबंधियों ने बधाई दी है। अभ्युदय ने अपने कठिन परिश्रम और समर्पण से यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने अपनी शिक्षा और खेल के बीच बेहतरीन संतुलन बनाते हुए यह सफलता प्राप्त की है, जो सभी छात्रों के लिए प्रेरणास्पद है। बता दें कि अभ्युदय के चाचा डॉ. संजय सिंह एमएलएन मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग में बतौर प्रोफेसर तैनात हैं। अभ्युदय सिंह की इस सफलता पर स्कूल के प्रधानाचार्य, शिक्षकों और सहपाठियों ने भी हार्दिक बधाई दी है।

सीतापुर व बांदा के खंड शिक्षा अधिकारी सस्पेंड

प्रयागराज से एडी बेसिक की ओर से की गई कार्रवाई, दोनों को विजिलेंस ने पकड़ा था

प्रयागराज। प्रयागराज स्थित शिक्षा निदेशालय में बैठे अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) कामताराम पाल ने गुरुवार को सीतापुर व बांदा जनपद में तैनात दो ठम्व् (खंड शिक्षा अधिकारी) को निलंबित कर दिया है। सीतापुर के बीईओ सुरेंद्र प्रताप व बांदा जनपद के नरैनी विकासखंड के बीईओ रविंद्र कुमार वर्मा को सस्पेंड किया गया है। इन दोनों अधिकारियों को रिश्वत लेते विजिलेंस ने पकड़ा था उसे अब विभाग ने सस्पेंड कर दिया है।

प्रधानाध्यापक से ले रहे थे 15 हजार रुपये रिश्वत

मामला सीतापुर जनपद के पहला विकासखंड का है। यहां एक प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोद कुमार से खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र प्रताप 15 हजार रुपये मांग रहे थे। इसकी जानकारी विजिलेंस टीम को हो गई थी। बुधवार को लखनऊ की विजिलेंस टीम मौके पर पहुंचे थे। 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। सीतापुर के ठै। ने आख्या प्रेषित की थी, जिसके आधार पर कार्यवाही की गई है।निलंबित खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र प्रताप को निलंबन की अवधि तक मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) लखनऊ कार्यालय से संबद्ध किया गया है।

हाईकोर्ट में याचिका–99 कांग्रेस सांसदों को अयोग्य घोषित करें

खटाखट–खटाखट का दावा कोर्ट पहुंचा, राहुल ने कहा था– हर महीने मिलेंगे 8500 रुपए

प्रयागराज। कांग्रेस का खटाखट...खटाखट, ठकाठक... ठकाठक दावा इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। कांग्रेस पार्टी के खिलाफ जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें तीन बड़ी मांगें रखी गई हैं। पहली– पार्टी के 99 सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाए। दूसरी– चुनाव चिन्ह जब्त हो और तीसरी डिमांड पार्टी का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की गई है। यह याचिका सोशल एक्टिविस्ट भारती सिंह ने दाखिल की है। उनके वकील ओपी सिंह और शाश्वत आनंद ने याचिका को तैयार किया है। इसमें आरोप लगाया है कि लोकसभा चुनाव–2024 में कांग्रेस पार्टी ने गरीब, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक को 8500 रुपए हर महीने देने का वादा किया था। राहुल गांधी ने भी अपनी जनसभाओं, रैलियों में हर महीने रुपए दिए जाने का वादा किया था, जो झूठा साबित हुआ।

दावा– इस वादे में वोट के बदले पैसा देने का लालच था याचिका में यह भी कहा गया कि कांग्रेस ने इस वादे से मतदाताओं को गुमराह किया। एक तरह से वोट के बदले पैसे देने का लालच दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के हस्ताक्षर किए हुए इस वादे ने मतदाताओं को भरोसा दिलाया था कि उन्हें वोट देने के बदले पैसे मिलेंगे।

चुनाव आयोग को भी लेटर भेजा : भारती सिंह ने कहा– चुनाव आयोग ने चुनाव में प्रलोभनों पर 2 मई, 2024 को एक एडवाइजरी भी जारी की थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की। याचिका में यह भी कहा गया है कि कांग्रेस ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 121(1)(ए) का उल्लंघन किया है। यह भारतीय दंड संहिता के तहत दंडनीय अपराध है। याची ने चुनाव आयोग को इस मामले में कार्रवाई करने के लिए लेटर लिखा, लेकिन जब कोई कदम नहीं उठाया गया, तो यह जनहित याचिका दायर की गई। इस याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई हो सकती है।

नतीजों के बाद लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय पहुंची थीं महिलाएं : लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के दूसरे दिन 5 जून को मुस्लिम महिलाएं यूपी कांग्रेस पार्टी दफ्तर पहुंच गई थीं। महिलाओं ने कांग्रेस का गारंटी कार्ड दिखाते हुए रुपए की मांग की थी। कई महिलाओं ने पहले से मिले गारंटी कार्ड पर अपना नाम, पता और नंबर भरकर पार्टी दफ्तर में जमा भी किया। कांग्रेस दफ्तर पहुंचीं जुबैदा ने कहा था– कांग्रेस की सरकार बनने के लिए बड़ी नमाज पढ़ी, दुआ मांगी। भोलेनाथ के सामने हाथ जोड़कर पूजा की। अब तो सरकार बन जाएगी। लोगों ने बहुत नक्शेबाजी की है।

जानिए, कांग्रेस ने महिलाओं से क्या वादा किया था

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में 3 अप्रैल को महालक्ष्मी योजना लागू करने की बात कही थी। वादा किया था कि इस योजना में गरीबी रेखा से नीचे (ठच्स् कैटेगरी) से संबंधित परिवारों की मुखिया महिला के खाते में सीधे 8,500 रुपए प्रति माह जमा किए जाएंगे। यह योजना कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की गृह लक्ष्मी गारंटी योजना के समान है, जिसमें गरीब परिवारों की महिलाओं को 2,000 रुपए का भुगतान किया जाता है।

राहुल ने कहा था– खटाखट–खटाखट पैसे आएंगे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान सभाओं में कहा कि भाजपा वाले 22 अरबपति बना रहे हैं। हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। हर परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। उन करोड़ों महिलाओं के खाते में एक लाख रुपए भेजे जाएंगे। यानी महीने 8,500 रुपया खाते में खटाखट–खटाखट जाएगा।

हंडिया के सपा विधायक हाकिम लाल को मिली जान से मारने की धमकी, पिता–पुत्र पर दर्ज कराया मुकदमा

प्रयागराज। हंडिया से सपा विधायक हाकिमलाल बिंद ने दिलीपचंदपुर निवासी पिता–पुत्र पर जान से मारने की धमकी देने और आए दिन अपमानित करने का मुकदमा दर्ज कराया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करके पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। थाने में दिए गए तहरीर में विधायक हाकिमलाल बिंद ने कहा है कि हंडिया थाना क्षेत्र के दिलीपचंदपुर गांव निवासी संजय कुमार पाल दो साल से उन्हें अपमानित करने का कार्य कर रहा है। उनको बदनाम करने की नीयत से सोशल मीडिया पर भी तरह–तरह की पोस्ट कर रहा है। जिससे उनकी छवि धूमिल हो रही है। इसकी शिकायत जब उन्होंने संजय के पिता फूलचंद्र पाल से की तो फूलचंद्र ने भी धमकी दी और कहा कि जो करना हो कर लीजिए। किसी से हम डरने वाले नहीं है। विधायक ने कहा कि उनको किसी भी समय जान माल का खतरा हो सकता है। उन्होंने संजय पाल और उसके पिता फूलचंद्र पाल के खिलाफ आईटी एक्ट समेत बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बोर्ड ने जारी किया क्षेत्रीय सचिवों का मोबाइल नंबर, बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों पर कसी जाएगी नकेल

प्रयागराज। बिना मान्यता के चल रहे विद्यालयों से भी यूपी बोर्ड परीक्षा के फार्म भराए जा रहे हैं। इसकी जानकारी होने पर यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने क्षेत्रीय सचिवों का मोबाइल नंबर जारी किया है। बिना मान्यता के संचालित विद्यालयों की सूचना क्षेत्रीय सचिवों को दी जा सकती है। यूपी बोर्ड से मानविकी विषय की मान्यता लेकर कई विद्यालय विज्ञान वर्ग की कक्षाएं अवैध रूप से चल रहे हैं। फिर विज्ञान वर्ग के बच्चों का दूसरे विद्यालय से यूपी बोर्ड परीक्षा का फार्म भरवा रहे हैं। इसके लिए वह विद्यार्थियों से ज्यादा धनराशि वसूलते हैं। इसके अलावा कुछ कोचिंग संचालक भी अपने यहां हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं। अब परीक्षा का फार्म दूसरे विद्यालयों से भरवा रहे हैं। ऐसे मामलों की जानकारी यूपी बोर्ड सचिव को हुई तो उन्होंने क्षेत्रीय सचिवों को जांच के निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वह बिना मान्यता के चलते रहे विद्यालयों की सूचना क्षेत्रीय सचिवों को दे सकते हैं। ऐसे विद्यालयों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।इसके लिए क्षेत्रीय सचिवों का नंबर जारी किया गया है। क्षेत्रीय सचिव मेरठ का मोबाइल नंबर 9454457256, बरेली का 9451055902, प्रयागराज का 9454457246, वाराणसी का 9450964432, गोरखपुर का 9415259462 है। इसके अलावा उप सचिव प्रशासन प्रयागराज का नंबर 8447297770 से भी इसकी शिकायत की जा सकती है।

नाग पंचमी पर पूजे गए भगवान नागवासुकि, भक्तों ने चढ़ाया दूध और लावा, शिवालयों में भी उमड़ी भीड़

प्रयागराज। संगमनगरी में नागपंचमी का पर्व शुक्रवार परंपरागत तरीके से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने घरों में दूध लावा का भोग लगाकर नाग देवता का आह्वान किया। भगवान शिव के मंदिरों में पूजा अर्चना और जलाभिषेक के लिए भक्तों की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं की सर्वाधिक भीड़ नागवासुकि मंदिर पर रही। दारागंज में गंगा के तट पर स्थित नागवासुकि भगवान को दूध लावा का भोल लगाने और अभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। यहां पर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त था। मंदिर के बाहर बड़ी संख्या में सपेर विभिन्न प्रजाति के सांपों का दर्शन करा रहे थे। लोगों ने नाग देवता का दर्शन कर यथाशक्ति दान पुण्य किया। इसके अलावा जनपद के सभी मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। दूध और लावा की खरीदारी जमकर की गई।

नागवासुकि ने किया था समुद्र का मंथनः पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान नागवासुकि को रस्सी बनाकर देवताओं और दानवों ने समुद्र का मंथन किया था। समुद्र मंथन के बाद नागवासुकि काफी लहूलुहान हो गए थे। भगवान विष्णु की सलाह पर नागवासुकि ने संगमनगरी प्रयागराज में इसी स्थान पर आराम किया था। इसके चलते इसे नागवासुकि मंदिर कहा जाता है। देश के कोने–कोने से श्रद्धालु सर्पदोष से मुक्ति पाने के लिए नागवासुकि महाराज का दर्शन करने और अनुष्ठान करने के लिए यहां पर आते हैं। यहां से कंकड़ ले जाकर घर में रखने पर घर पर कभी सांपों और नागों की छाया नहीं पड़ती है और सर्पदोष से मुक्ति मिलती है, ऐसी भी मान्यता है।

कंक्रीट के साथ मिलकर इमारतों के गिरने का खतरा घटाएगी गन्ने की खोई, भवनों में नहीं आएगी दरार

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) ने गन्ने की खोई से निकाले नैनो सेल्युलोज को कंक्रीट में मिलाकर ऐसा समिश्रण परखा है, जो भवनों की मजबूती को 25 फीसदी तक बढ़ाने में सक्षम है। इससे भवनों में दरारें नहीं आएंगी। इमारत मजबूत होगी तो भूकंप जैसी आपदा से होने वाली तबाही भी घटाई जा सकेगी।

केशव मौर्य के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज हुई

सरकार से बड़ा संगठन बयान पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला, कहा– पार्टी फोरम में कही गई बात के मायने नहीं

प्रयागराज। सरकार से बड़ा संगठन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के इस बयान को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल याचिका खारिज कर दी गई है। कोर्ट ने शुक्रवार को मामले में सुनवाई की। चीफ जस्टिस अरुण भंसाली एवं जस्टिस विकास की पीठ ने कहा– याचिका में कोई तत्व ही नहीं है। यह बयान पार्टी फोरम पर दिए गए हैं। संवैधानिक पद पर रहते हुए सरकारी फोरम पर नहीं। प्राइवेट कैपिसिटी में पार्टी फोरम में दिए गए बयानों का कोई मायना नहीं। इसलिए जनहित याचिका खारिज की जाती है। याचिका उप मुख्यमंत्री के बयान और उन्हें हटाने से जुड़ी थी। इससे पहले यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस ने फैसला सुरक्षित किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा – इस केस में राज्य सरकार का पक्ष सुनने की जरूरत नहीं है।

केशव मौर्या के खिलाफ याचिका दाखिल करने वाले हाईकोर्ट के वकील मंजेश कुमार यादव का कहना है कि कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया था। कोर्ट के बाहर वकील राजेश सिंह ने कहा – दलील दी गई कि सरकार स्वतंत्र होती है। उनका उत्तरदायित्व सदन के प्रति होता है, पार्टी के प्रति नहीं। देखिए बांग्लादेश में क्या हुआ? छोटी–छोटी बातों का नियंत्रण रखना जरूरी है, वरना कुछ भी कोई कहता रहेगा। सरकार का ही एक शख्स कह रहा है कि सरकार दबाव में काम कर रही है। ऐसा कैसे हो सकता है? चीफ जस्टिस ने केस सुना है। उन्होंने फैसला सुरक्षित रखा है। याचिका दाखिल करने वाले वकील मंजेश कुमार यादव ने कहा – कोर्ट में चीफ जस्टिस ने 27 मिनट हमारी बातों को सुना। याचिका में हमने कहा था 7 केस जिसके खिलाफ हो, उससे लोग भयभीत रहते हैं। ऐसे व्यक्ति को संवैधानिक पद से हटाना चाहिए। जज हमारी बातों से संतुष्ट थे। उन्होंने ऑर्डर रिजर्व किया है।

14 जुलाई को केशव प्रसाद ने दिया था बयान

दरअसल, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में 31 जुलाई को याचिका दाखिल हुई थी। ये याचिका केशव के उस बयान को लेकर है, जिसमें 14 जुलाई को उन्होंने कहा था कि सरकार से बड़ा संगठन होता है।

मंजेश यादव ने याचिका में मेंशन किए 7 आपराधिक मामले केशव मौर्य का यह कहना कि सरकार से बड़ा संगठन होता है, उनके पद की गरिमा को कम करता है। साथ ही सरकार की पारदर्शिता पर संदेह पैदा करती है। भाजपा, राज्यपाल और चुनाव आयोग, सभी की ओर से कोई प्रतिक्रिया या खंडन न करना, इस मुद्दे को और जटिल बनाता है। याचिका में केशव मौर्य के आपराधिक इतिहास का भी जिक्र किया गया है। कहा गया कि उपमुख्यमंत्री बनाए जाने से पहले उन पर 7 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वकील का तर्क है कि ऐसे रिकॉर्ड वाले किसी व्यक्ति को संवैधानिक पद पर नियुक्त करना गलत है।

लोकसभा चुनाव के खराब प्रदर्शन के बाद केशव ने लिखा

लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा के खराब प्रदर्शन पर डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने बयान दिया। लखनऊ में कार्य समिति की बैठक के बाद देर रात डिप्टी सीएम मौर्य ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा– संगठन सरकार से बड़ा था, बड़ा है और हमेशा रहेगा। मैं उपमुख्यमंत्री बाद में हूं, पहले कार्यकर्ता हूं। मेरे घर के दरवाजे सबके लिए खुले हैं। केशव के इस बयान को योगी को संदेश देने से भी जोड़ कर देखा गया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि लोकसभा चुनाव में सीट कम आने के बाद सीएम योगी और केशव में दूरियां बढ़ गई हैं। लोकसभा चुनाव के बाद वह किसी भी बैठक में शामिल नहीं हो रहे थे। केशव राज्य सरकार की बैठकों में शामिल भी नहीं हो रहे थे। कार्य समिति बैठक में सीएम योगी ने कहा– अगर, सरकार को खरोंच आई तो उसका असर उन पर भी पड़ेगा। जो लोग अभी से उछल–कूद कर रहे हैं, उन्हें दोबारा ऐसा करने का मौका नहीं मिलेगा। इसके बाद केशव ने इशारों में सरकार को यह बता दिया कि उनसे बड़ा संगठन है। बैठक के बाद केशव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा– संगठन सरकार से बड़ा है। संगठन से बड़ा कोई नहीं होता है। हर एक कार्यकर्ता हमारा गौरव है।

हाईकमान तक पहुंची थी संगठन और सरकार के बीच खींचतान : लखनऊ में चल रही ये खींचतान दिल्ली तक पहुंची। 27 जुलाई से दिल्ली में दो दिन भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों की पीएम मोदी के साथ बैठक हुई। इसमें सीएम योगी के साथ डिप्टी सीएम केशव और ब्रजेश पाठक भी दिखे। बाद में गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात हुई। मुलाकात में हिदायत दी गई कि खींचतान कम की जाए। कोई अनर्गल बयानबाजी न की जाए।

केशव दिल्ली से लौटे तो उन्होंने गृह विभाग की बैठक करके बड़ा संदेश दिया। यह विभाग योगी के पास है। फिर विधानसभा मानसून सत्र में भी केशव, सीएम योगी के साथ दिखे।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, संरचना, ठहराव एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	संचालन का दिन	पूर्व अधि-सूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
03245	दानपुर-बेंगलुरू	बुधवार	07.08.24	14.08.24
03246	बेंगलुरू-दानापुर	शुक्रवार	09.08.24	16.08.24
03251	दानापुर-बेंगलुरू	रवि,सोम.	05.08.24	11.08.24 से 12.08.24 तक
03252	बेंगलुरू-दानापुर	मंगल,बुध.	07.08.24	13.08.24 से 14.08.24 तक
03259	दानापुर-बेंगलुरू	मंगलवार	06.08.24	13.08.24
03260	बेंगलुरू-दानापुर	गुरूवार	08.08.24	15.08.24
03247	दानापुर-बेंगलुरू	गुरूवार	08.08.24	15.08.24
03248	बेंगलुरू-दानापुर	शनिवार	10.08.24	17.08.24
03241	दानापुर-बेंगलुरू	शुक्रवार	09.08.24	16.08.24
03242	बेंगलुरू-दानापुर	रविवार	11.08.24	18.08.24

नोट: ट्रेनों के समय-सारणी से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइटrailmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

1422/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

विधि विभाग में विशेष व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के विधि विभाग के बी.ए.एल.एल.बी.(ऑनर्स.) पाठ्यक्रम में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ.अवधेश कुमार झा थे जिन्होंने समाजशास्त्र की बुनियादी अवधारणाओं के बारे में विस्तृत एवं सरल रूप से प्रस्तुत किया। वक्ता वर्तमान में एच.एन.बी. गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, नैनी, प्रयागराज के समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख हैं। व्याख्यान को छात्रों ने खूब सराहा। व्याख्यान के बाद एक पुरस्कार वितरण समारोह हुआ जिसमें अतिथि वक्ता ने बी.ए.एल.एल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम में 9 अगस्त, 2024 को हुई दर्शनशास्त्र प्रश्नोत्तरी में जीतने वाले छात्रों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए।

जर्द मौसम का सफर पर हुई परिचर्चा एवं कवि गोष्ठी

प्रयागराज। वैश्विक हिंदी महासभा के बैनर तले आज 9 अगस्त 2024 दिन शुक्रवार नागपंचमी के अवसर पर राजरूपपुर, प्रयागराज में डाक्टर अजय मालवीय की गजल संग्रह जर्द मौसम का सफर पर एक परिचर्चा एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष वैश्विक हिंदी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर विजयानंद तिवारी, मुख्य अतिथि वरिष्ठ पार्षद मिथलेश सिंह और विशिष्ट अतिथि डॉक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, रामकैलाश पाल प्रयागी, डॉक्टर योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु और मंसूर आलम रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप जलाकर और माल्यार्पण करके किया। कार्यक्रम संचालक पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने मधुर वाणी में सरस्वती वंदना करके कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की।

इस अवसर पर राकेश मालवीय ने कहा जर्द मौसम का सफर डॉक्टर अजय मालवीय बहार इलाहाबादी की एक अप्रतिम पुस्तक है। इसमें डॉक्टर बहार ने छोटी–बड़ी बात को एक मिसाल की तरह प्रकट किया जो दिल को छू जाती है। उर्दू मर्मज्ञ डॉक्टर अजय मालवीय बहार इलाहाबादी ने भारतीय अस्मिता एवं संस्कृति का सम्मानजनक ढंग से हिंदी और उर्दू में विवेचन किया है। यह उनकी बड़ी देन है, उपलब्धि है। इसके माध्यम से उन्होंने सांस्कृतिक सीमाओं को एक किया है। उर्दू और हिंदी के बीच की खाई को पाट करके दिलों को जोड़ने का काम किया है। उनका शेर कुछ इस तरह है–– भूखा प्यासा रहा परिंदा मगर।ध्दाना चुगने कभी नहीं उतरा।।ध्मिरे हाथ में जब से देखा है खंजर। ध्तो दुश्मन भी हाथ अब मिलाने लगे हैं।।

डॉक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल ने कहा कि डॉ अजय मालवीय बहार इलाहाबादी गजलकार के रूप में अच्छा शब्दगुंफन का लयात्मक स्वरूप प्रस्तुत करने में सक्षम है। इनकी गजलें बहुत दूर तक जाती है।

योगेन्द्र जी ने कहा कि कवि अपनी रचना में एक प्रकार का ब्रह्म या सर्जक होता है। उन्होंने कहा कि जर्द मौसम का सफर मौसम बदलने की क्षमता रखता है।

आर एल चौरसिया ने पुस्तक की विवेचना में कहा यह गंगा–यमुनी संस्कृति का एक प्रमुख स्तंभ है।

डॉक्टर अजय मालवीय बहार इलाहाबादी ने अपनी पुस्तक पर प्रकाश डाला। उन्होंने उसके कुछ शेरों को पढ़ा।

पार्षद व मुख्य अतिथि मिथिलेश सिंह ने कहा कि एक साहित्यकार ही समाज को जगाने का कार्य करता है उन्होंने गजल संग्रह जर्द मौसम के लिए अजय मालवीय को बधाई एवं शुभकामना दी।

इस अवसर पर मंसूर आलम ने कहा उर्दू और हिंदी भाषा के मशहूर समालोचक डाक्टर अजय मालवीय बहार इलाहाबादी ने उर्दू में लगभग 19 किताबें लिखी हैं। जर्द मौसम का सफर डॉक्टर अजय मालवीय जी के संकलित गजलों का संकलन है, जो देवनागरी लिपि में है। डॉक्टर अजय मालवीय ष्बहारष इलाहाबादी की शाइरी में हिंदुस्तानियत जिसे हम भारत की गंगा–जमुनी तहजीब भी कहते है, पूरी तरह रची बसी है। आसान शब्दों के माध्यम से अपने दिल और जज्बात की तर्जुमानी करने में इनका कोई विकल्प नहीं। कुछ अश्आर पेश खिदमत है ष्आना हमारे शहर में संगम घुमाएंगे।६ कुछ और तीरथों के भी दर्शन कराएंगे।।६ चेहरे हजार रंग के दिखते हैं जो यहाँ।६ फागुन के रंग में यहाँ सब खिलखिलाएँगे।।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में कवि गोष्ठी हुई। जिसमें विजयानन्द तिवारी, डॉक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, रामकैलाश पाल प्रयागी, डॉक्टर अजय मालवीय बहार इलाहाबादी, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, एम एस खान, योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु, शम्भुनाथ श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव, गंगा प्रसाद त्रिपाठी, डॉक्टर रामलखन चौरसिया आदि ने काव्य पाठ किया। इसके अलावा इन्द्रदेव दुबे, बृजेश गुप्ता, विजय बहादुर और डब्बा भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन पंडित राकेश मालवीय ने किया।

किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष हाउस अरेस्ट, ट्रैक्टर मार्च के साथ होना था प्रदर्शन

प्रतापगढ़, कुण्डा। समस्याओं को लेकर ट्रैक्टर मार्च निकालने के एलान पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत ग्रुप के जिला अध्यक्ष दिनेश चंद्र तिवारी को संग्रामगढ़ पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। किसानों के ऊपर फर्जी मुकदमें, विद्युत बिल में संशोधन आदि मुद्दों पर यूनियन के लोग प्रदर्शन करना चाह रहे थे, जिसकी अनुमति नहीं थी। जिला अध्यक्ष दिनेश चंद्र तिवारी की अगुवाई में ट्रैक्टर के साथ किसान एसडीएम कार्यालय के समक्ष ज्ञापन देकर धरना प्रदर्शन करने की जिद पर अड़े थे। सड़क पर उतरते ही कुंडा सीओ अजीत कुमार सिंह एवं संग्रामगढ़ पुलिस ने किसान यूनियन के अध्यक्ष को हाउस अरेस्ट कर लिया। किसान यूनियन ने ट्रैक्टर के साथ प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन देने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया।

सिविल डिफेन्स के डिप्टी डिवीजनल वार्डेन ब्रांड एंबेसडर राजेन्द्र कुमार तिवारी दुकानजी नाग पंचमी पर नागराज से दोस्ती करते हुये।

चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में विशेष व्याख्यान का हुआ आयोजन

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय प्रयागराज के पचहत्तरवीं वर्षगाँठ के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 9 अगस्त 2024 शुक्रवार को विभाग की "CMP ECO SPEAK 1- 0 @75" व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत पहला विशेष व्याख्यान ष्केन्द्रीय बजट 2024–25ष पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमपी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे और कार्यक्रम का संचालन शोध छात्र शशि सिंह एवं युशुफ फारूकी ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. उमेश प्रताप सिंह ने बजट की विभिन्न अवधारणाओं पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय बढ़ाने की बात की साथ ही आर्थिक विकास में निजी स्रोत की भूमिका पर

प्रकाश डाला। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के नीति आयोग के चेयर प्रोफेसर प्रो. मनमोहन कृष्ण ने बजट का उपयुक्त उदाहरणों द्वारा अत्यंत ही सरलतम रूप में विश्लेषण किया। प्रो. कृष्ण ने माइक्रो–मैक्रो पैराडॉक्स पर ध्यान आकर्षित किया साथ ही बजट 2024–25 की प्राथमिकताओं का भी जिक्र किया और शिक्षा व स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम में अतिथियों का वाचिक स्वागत अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व संयोजक श्री राजेंद्र श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता का स्वागत विभाग के संयोजक डॉ रविंद्र प्रताप सिंह द्वारा और विशिष्ट अतिथि का स्वागत डॉ दीप्ति सामंतराय द्वारा पौधा प्रदान करके किया गया। कार्यक्रम का समापन अर्थशास्त्र विभाग के संयोजक डॉ रविंद्र प्रताप सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में डॉ सत्येंद्र कुमार, प्रो नंदिता श्रीवास्तव, डॉ अमित पांडे, डॉ हर्ष मणि सिंह, डॉ गुलशन अख्तर, डॉ वेद प्रकाश मिश्रा, प्रो एसपी सिंह, प्रो संतोष श्रीवास्तव, डॉ वैभव अग्रवाल, डॉ दामिनी श्रीवास्तव, डॉ अरुण वर्मा, डॉ नीरज कुमार, डॉ मुनींद्र शुक्ला, डॉ सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, डॉ ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, डॉ राम चिरंजीवी, डॉ किरण वर्मा, डॉ अमरजीत यादव, कुमारी प्राची, विभाग के समस्त शोध छात्र एवं भारी संख्या में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह आयोजित

प्रयागराज। राष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में बोलते हुए एस.एस.खन्ना महिला महाविद्यालय के मध्यकालीन

इतिहास विभाग के डॉ. शिव शंकर श्रीवास्तव जी ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन कार्यवाही भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रान्तिकारियों द्वारा ब्रिटिश राज के विरुद्ध हथियार खरीदने के लिये ब्रिटिश सरकार का ही खजाना अपहृत करने की एक ऐतिहासिक घटना थी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के डॉ. सर्वेश सिंह ने कहा

क्रान्तिकारियों द्वारा चलाए जा रहे स्वतन्त्रता के आन्दोलन को गति देने के लिये धन की तत्काल व्यवस्था की जरूरत के लिये शाहजहाँपुर में हुई बैठक के दौरान राम प्रसाद बिस्मिल ने अंग्रेजी सरकार का खजाना अपहृत करने की योजना बनायी थी।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास विभाग के ही डॉ. अखिल कुमार गुप्ता ने कहा कि

योजनानुसार दल के ही एक प्रमुख सदस्य राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी ने ९ अगस्त १९२५ को लखनऊ जिले के काकोरी रेलवे स्टेशन से छूटी ष्आठ डाउन सहारनपुर–लखनऊ पैसेन्जर ट्रेनष को चेन खींच कर रोका और क्रान्तिकारी पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में अशफाक उल्ला खाँ, चन्द्रशेखर आजाद व ६ अन्य सहयोगियों की सहायता से समूची लौह पथ गामिनी पर धावा बोलते हुए सरकारी खजाना अपहृत कर लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि

अंग्रेजी सत्ता ने क्रांतिकारियों की पार्टी हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन के कुल ४० क्रान्तिकारियों पर सम्राट के विरुद्ध सशस्त्र युद्ध छेड़ने, सरकारी खजाना लूटने व यात्रियों की हत्या करने का प्रकरण चलाया जिसमें राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ तथा ठाकुर रोशन सिंह को मृत्यु–दण्ड (फाँसी की सजा) सुनायी गयी।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष कुमार गौतम ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेज प्रकाश जी ने किया इस अवसर पर शिक्षा शास्त्र विभाग की डॉ. कविता सिंह जी ने काव्य पाठ भी किया। इसी अवसर पर छात्रों की एक आशुभाषण प्रतियोगिता भी संपन्न हुई जिसमें बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र सर्वेन्द्र सिंह, अमित कुमार शुक्ला, समीर कांत तिवारी और शिव दिवाकर ने प्रतिभाग करते हुए बताया कि

इस प्रकरण में १६ अन्य क्रान्तिकारियों को कम से कम ४ वर्ष की सजा से लेकर अधिकतम काला पानी (आजीवन कारावास) तक का दण्ड दिया गया था।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या छात्रों के साथ साथ प्राध्यापक भी उपस्थित रहे।

आजादी के दीवानों की क्रांति गाथा युगों का अमर रहेगी: मनीष

करछना। गुलामी की जंजीर से जकड़े देश को आजादी का नया सवेरा देने वाले बलिदानी सपूतों की क्रांतिगाथा युगों तक अमर रहेगी। अपनी जान की बाजी लगाकर क्रांतिकारी

वीरों ने अपनी कुर्बानी देते हुए आजादी का सपना साकार किया जो आज हमारे आदर्श और प्रेरणा स्रोत हैं। अगस्त क्रांति के मौके पर क्षेत्र के रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में प्रार्थना सभा के दौरान यह बातें प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने बच्चों के बीच कही। शिक्षक के.के. त्रिपाठी ने बच्चों को काकोरी काण्ड के अमर शहीद अशफाक उल्ला खां,राम प्रसाद बिस्मिल,राजेंद्र लाहिड़ी और ठाकुर रोशन सिंह की क्रांति गाथा का प्रसंग सुनाते हुए आजादी के मूल्यों को संचित रखने और अमर शहीदों की सोच को साकार करने के लिए संकल्प दिलाया। शिक्षकों ने भी अपनी आजादी में सर्वस्व न्यौछावर करने वाले बलिदानी अमर सपूतों के संस्मरण सुनाते हुए बच्चों को प्रेरित किया। इस दौरान राष्ट्र के विकास,सामाजिक सद्भाव, देश प्रेम,एकता और अखंडता का संकल्प दिलाया गया। इस मौके पर प्रवक्ता जितेंद्र कुमार,जगतपाल,मोहम्मद परवेज सिद्दीकी, विजय सिंह,रमेश चंद्र तिवारी,सुरेश कुमार, हरिशंकर त्रिपाठी,विश्वेश ओझा,कमला शंकर त्रिपाठी,राजकुमार विश्वकर्मा,अशोक सिंह विमला देवी,सुनील कुमार प्रजापति सहित शिक्षक,कर्मचारी,छात्र एवं छात्राएं मौजूद रहे।

डॉ0सक्सेना दम्पत्ति के सम्मान में काव्य गोष्ठी सम्पन्न

एटा,08 अगस्त।

एटा।आकाशवाणी आगरा के पूर्व सहायक निदेशक नीरज जैन के गृह आवास पर अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ0 राकेश सक्सेना एवं डॉ0 सुनीता सक्सेना के सम्मान में शानदार स्तरीय काव्य गोष्ठी देश के ख्यातिप्राप्त कवि रामेन्द्र मोहन त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम डॉ0 ज्योत्सना शर्मा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की इसके पश्चात डॉ0 सुनीता सक्सेना ने एटा की साहित्यिक संस्था राष्ट्रीय तूलिका मंच की ओर से आकाशवाणी की उत्तम सेवाओं के लिए स्नेह भेंट देकर कवि नीरज जैन का अभिनंदन किया। ऋतुराज त्रिपाठी , डॉ0 सुशील सरित की आशा–निराशा कविताओं से गोष्ठी का आगाज हुआ वहीं हरीश कुमार सिंह भदौरिया ने ब्रज छन्दों में काव्य पाठ किया।

डॉ0 कुसुम चतुर्वेदी , डॉ0सलीम अहमद ने अपनी नायाब गजलों का रसास्वादन कराया। कवि शीलेन्द्र वसिष्ठ ने आगरा की ऐतिहासिकता पर समावेशित रचना प्रस्तुत की। अतिथि कवयित्री डॉ0 सुनीता सक्सेना ने ऋतुओं की रानी पावस को केंद्र में रखकर सुनाया – मैं आवारासी पगली हूँ, मैं पावस की बदली हूँ। कोकिल कंठी कवयित्री डॉ0 ज्योत्सना शर्मा ने अपने गीतों से गोष्ठी को शिखर पर पहुँचाया। गीतकार डॉ0 राकेश सक्सेना ने मुख्य अतिथि के आसन से गीत–गजलें सुनाकर भावविभोर किया। डॉ सक्सेना ने सुनाया– ऐसा पावस कभी मिले न मिले, चलो थोड़ा–सा भीग आते हैं।

गीतकार रामेन्द्र मोहन त्रिपाठी ने सक्सेना दम्पत्ति के साहित्यिक योगदान की सराहना करने के पश्चात अपने सशक्त अनुपम गीतों व गजलों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।प्राध्यापिका भावना जैन ने आगन्तुकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा गोष्ठी का सफल संचालन कवि नीरज जैन ने किया। इस अवसर पर सार्थक जैन, वंशिका, अनुपमा, योजना, वीरेन्द्र,इन्द्रपाल, विकास,डॉ0 विशाल दुबे आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

काकोरी के नायकों को किया गया याद

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज में मध्यकालीन इतिहास विभाग द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वी वर्षगांठ पर दिनांक 9ध्8ध्2024 को विशेष छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने मंच से कोकोरी दिवस पे अपने विचारों को प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने अपने उद्बोधन में यह संदेश दिया कि राष्ट्र के विकास के लिए हर रोज एक नया अवसर है तथा इतिहास के चरित्रों एवम घटनाओं से हमे सिख लेनी चाहिए। संगोष्ठी की अध्यक्षता सहायक प्रोफेसर अरुण कुमार वर्मा ने किया और बच्चों को इतिहास लेखन और अतीत की समझ

को विकसित करने पे जोर दिया। विभाग के संयोजक डॉ नीरज सिंह ने काकोरी ट्रेन एक्शन से संबंधित स्रोतों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभाग के अध्यापक डॉ मुनींद्र कुमार शुक्ल, डॉ अखिलेश यादव, डॉ शशिबाला उपस्थित थे। मंच संचालन विभाग के शोधार्थी अर्जुन पांडे , विषय परिचय विनय हिन्द , धन्यवाद ज्ञापन मीनाक्षी पांडे ने एवम प्रतिभागियों के मूल्यांकन का कार्य सागर वर्मा ने किया। कार्यक्रम में शोधार्थी प्रियांशु, चन्द्रहास कुमार, आशीष प्रताप के साथ– साथ अनेक प्रतिभागी एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

संक्षिप्त

पीडब्लूडी मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के चुनाव में सत्यजीत अध्यक्ष व बृजेश बने सचिव

प्रतापगढ़। लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के शाखा इकाई का शुक्रवार को पीडब्लूडी के कार्यालय परिसद में दो वार्षिक चुनाव संपन्न हुआ। एसोसिएशन के प्रान्तीय उपाध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय मंत्री एवं फतेहपुर के जिलाध्यक्ष व जिलामंत्री के देखरेख में चुनाव हुआ। जिसमें सत्यजीत सिंह ने प्रतिद्वंदी को हराकर 40 मतों के अंतर से अध्यक्ष बने। जबकि बृजेश कुमार सेन 33 मत पाकर जिला सचिव निर्वाचित हुए। इसी प्रकार अन्य पदों पर हुए चुनाव में राजनारायण कार्यकारी अध्यक्ष, विवेक शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेश कुमार यादव जिला उपाध्यक्ष चुने गए। एसोसिएशन ने जिला सचिव के पद के निर्वाचन पर दो लोगों को जिम्मेदारी दी है। प्रथम वर्ष में बृजेश कुमार सेन व दूसरे वर्ष आशीष कुमार मिश्र जिला सचिव पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। एसोसिएशन के शेष पदाधिकारियों में सत्य प्रकाश यादव जिला संयुक्त सचिव, नेहा सिद्धार्थ जिला संगठन सचिव महिला व रवि कुमार जिला संगठन सचिव पुरूष तथा रवि कुमार को जिला वित्त सचिव के पद पर निर्विरोध निर्वाचन किया गया। एसोसिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर संगठन को मजबूत किये जाने का संकल्प लिया। इस मौके पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनन्त मोहन शुक्ल, निर्वाचन अधिकारी नीरज द्विवेदी, शिव कुमार व राहुल सिंह, अंकुर बाजपेयी, हेमंत गूजर, अशोक कुमार पांडे समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के चुनाव में अनिल कुमार पांडे बने अध्यक्ष

प्रतापगढ़। सीएमओ कार्यालय के शास्त्री सभागार में गुरूवार को डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन का द्विवार्षिक चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें अनिल कुमार पांडे अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 29 मतों के अंतर से हराकर अध्यक्ष पद पर विजयी घोषित किये गए। उदयराज सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद पर हरिशंकर सिंह ने अधिक मतों से विजय हासिल की। इसी तरह राकेश यादव जिलामंत्री, संदीप कुमार सिंह संगठन मंत्री, मान सिंह यादव संयुक्त मंत्री निर्वाचित हुए। कोषाध्यक्ष पद पर बीके श्रीवास्तव व संप्रेक्षक पद पर रंजीत यादव निर्विरोध निर्वाचित हुए।

कमरों में चू रहा पानी स्कूल में कैसे हो पढ़ाई, कुण्डा के अघिया गांव का जूनियर स्कल दुर्दशा का शिकार

परिसर में बने गड्ढे में भरा पानी, नहीं आता सफाईकर्मी

प्रतापगढ़। कुण्डा के अघिया गांव में स्थित जूनियर स्कूल दुर्दशा का शिकार है। यहाँ स्कूल के कमरों में छतों से वारिस का पानी चू रहा है। फर्श पर प्लास्टर टूटकर गिरा है। कमरों में बेंच, डेस्क पानी से भीग रहा है। एक–एक कमरों में दो–दो कक्षाएं संचालित हो रही हैं। स्कूल परिसर में गंदगी का अंबार है। प्रधान द्वारा परिसर में खोदवाए गये गड्ढे में पानी भरा है। जिसमें बच्चों के साथ अनहोनी हो सकती है। पूंछने पर स्कूल के हेडमास्टर गिरीश पांडे ने अपना दर्द वयां किया। उन्होंने बताया कि स्कूल के मूलभूत सुविधाओं के बारे में कई बार अधिकारियों को पत्र लिखा है। लेकिन जिम्मेदारों ने उनके पत्र को संज्ञान में नहीं लिया। उन्होंने बताया कि स्कूल में सफाईकर्मी के न आने से पूरा परिसर गंदगी से पटा है। आस पास झाड़ियां उगी हैं। किसी तरह स्वयं से सफाई की व्यवस्था करता हूं। प्रधान से शिकायत पर उन्होंने दुरूस्त कराने की बात कही है। इस संबंध में कुण्डा बीईओ संजय सिंह ने बताया कि जर्जर घोषित कमरों में बच्चों को नहीं बैठाया जा रहा है। विद्यालय में कमरों की संख्या कम होने से एक–एक कमरे में दो–दो कक्षाएं मजबूरी में चलाई जा रही हैं। उन्होंने गंदगी के बारे में बताया कि सफाई की जिम्मेदारी पंचायत सेक्रटरी की है। उन्हें ध्यान देना चाहिए। रही बात विद्यालय परिसर में गड्ढे होने की तो ग्राम प्रधान को नोटिस दिया जा रहा है।

जिसमें प्रदीदिन बदलाव हो वह सत्य है और जिसमें बदलाव नहीं हो सकता वह परम सत्य है–राघवेंद्राचार्य

प्रतापगढ़। कोहड़ौर थाना क्षेत्र के मदाफरपुर बाजार में हो रही संगीतमयी कथा में राघवेंद्राचार्य ने नारद संवाद, पांडव चरित, शुकदेव मुनी के चरित्र का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सत्य व परम सत्य में अंतर है। संसार में जो कुछ देख रहे हैं वो सत्य है। मनुष्य उम्र के साथ प्रतिदिन बदलता जाता है जीवन का सत्य है। वहीं, जिसमें कुछ बदलाव नहीं हो सकता वो परम सत्य है। परमात्मा परम सत्य है। परमात्मा हर जगह विराजमान हैं। इनकी सत्ता अखंड है। इनकी सत्यता के कारण संसार चल रहा है। ब्यास ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन जिस स्थान पर किया जाता है, उसके आस पास के क्षेत्र में खुशहाली आती है। यह कथा लोगों में धर्म की आस्था जागृत करने का काम करती है। धर्म हमेशा जीतता रहा है। महाभारत की लड़ाई में सौ कौरवों की सेना था और पांडव मात्र पांच थे। लेकिन धर्म की लड़ाई में पांडवों की जीत हुई। युग युग से धर्म की जीत होती रही है आगे भी होती रहेगी। इस मौके पर पप्पू सेठ, शैलेन्द्र जायसवाल, राजेश जायसवाल, सोनू जायसवाल, अजय सिंह, नंदलाल जायसवाल, अच्छे लाल, नन्हें जायसवाल, सत्य नरायण चौरसिया, विकास प्रजापति, उमेन्द्र सोनी,शंकर गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विधायक ने शिक्षा विद के निधन पर जताया शोक

प्रतापगढ़। सांगीपुर क्षेत्र के पूरब देऊम निवासी शिक्षाविद ललन प्रसाद मिश्र के निधन पर कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने उनके पैतृक आवास पहुंचकर श्रंद्धांजलि दी। उनके अप्रवासीय भारतीय बेटे संतोष कुमार मिश्रा एवं ए आर टीओ मनोज मिश्रा से मिलकर शोक प्रकट किया। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। इस दौरान धनंजय मिश्र, पप्पू प्रधान, बृजबिहारी मिश्र, शंभू नाथ मिश्र, उत्कर्ष मिश्र राधे बिहारी मिश्र समेत अन लोग मौजूद रहे।

महाविद्यालय में आयोजित सेमिनार में छात्र–छात्राओं को रोजगार के अवसरों की दी गयी जानकारी

प्रतापगढ़। सिटी स्थित पीबीपीजी कालेज में शुक्रवार को एनएसडीएल व स्किल इंडिया मिशन द्वारा कैरियर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रदृछात्राओं को मल्टीनेशनल इन्वेस्टमेंट, बैंकों और रिटेल बैंकों में विभिन्न स्तरों पर रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। एमार्टिकस लर्निंग के रीजनल वाइस प्रेसिडेंट अभिषेक कुमार ने निवेश बैंकिंग, धन प्रबंधन, वित्तीय सेवाओं, डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईटी, बिजनेस एनालिटिक्स और डिजिटल मार्केटिंग की अवधारणा से परिचय कराया। एमार्टिकस लर्निंग के एडमिशन मैनेजर सत्य प्रकाश सिंह ने छात्रदृछात्राओं को मार्केट की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास में सहायक संस्था के ट्रेनिंग प्रोग्राम्स और प्लेसमेंट प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 अमित कुमार श्रीवास्तव ने छात्रदृछात्राओं को अपनी रुचि के अनुरूप रोजगार के क्षेत्र का चयन तथा सतत कौशल विकास करने हेतु प्रेरित किया। सेमिनार का संचालन महाविद्यालय के प्लेसमेंट एवं कंसल्टेंसी सेल के संयोजक डॉ0 प्रणव ओझा ने किया। सेमिनार में डॉ0 अखिलेश मोदनवाल, डॉ0 राकेश सिंह, डॉ0 जितेंद्र सैनी, महाविद्यालय के जन सूचना अधिकारी अजीत प्रताप सिंह, चंदन सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

सम्पादकीय.......

जीत जैसी शिकस्त

जीवटता की धनी महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पचास किलो वर्ग स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश करके करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया था। देश उनसे सोने के पदक की उम्मीद कर रहा था। लेकिन करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों पर उस समय वज्रपात हो गया जब पेरिस ओलंपिक में महज सौ ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया। विनेश अब इस ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सकेंगी। निस्संदेह, जब विनेश इतिहास रचने जा रही थीं, उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। लेकिन फिर भी आज देश उनके साथ खड़ा है। खेल प्रेमी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। निश्चय ही यह एक दिल तोड़ने वाली घटना है। कहा जा रहा है कि भारत को ओलंपिक संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए। जाहिर है यह फाइनल स्पर्धा थी। भारत सोने के पदक की आस लगा रहा था। इस फैसले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दरअसल, भारतीय दल ने विनेश के वजन को 50 किलो तक लाने के लिये थोड़ा समय मांगा था। लेकिन तय वजन से अधिक भार होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। असल में, रेसलिंग इवेंट में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अलग–अलग भार वर्ग में वर्गीकृत किया जाता है। रेसलिंग व बॉक्सिंग जैसे खेलों में यह नियम है। ताकि सभी खिलाड़ियों के लिये निष्पक्ष अध्वसर तय किये जा सकें। यही वजह है कि खिलाड़ी जिस भार वर्ग का चयन करता है, उसे उसी वर्ग में खेलने की इजाजत मिलती है। इसमें किसी तरह की ढील नहीं मिलती। हर स्पर्धा से पहले चिकित्सा जांच व वजन किया जाता है। साथ ही खिलाड़ी के वजन की प्रक्रिया में असफल होने पर उसे प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाता है। फिर पहली प्रतियोगिता में हारे खिलाड़ी को खेलने का मौका दिया जाता है। विनेश के मामले में भी आईओसी ने ऐसा ही फैसला लिया है। लेकिन भारतीयों के लिये यह फैसला असहनीय है। निस्संदेह, हर भारतीय के लिये यह फैसला कष्टदायक है। वे फाइनल से पहले विनेश को अयोग्य करार दिये जाने की घटना पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। कतिपय लोग इसे पश्चिमी देशों द्वारा विकासशील देशों के खिलाड़ियों के साथ भेदभाव मानते हैं। उनका मानना है कि भारत सरकार को इस मामले में कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए। भारतीय ओलंपिक संघ को भी इससे निबटने के लिये हर संभव प्रयास करने चाहिए। देश के तमाम बड़े खिलाड़ी और राजनेता विनेश का हौसला बढ़ाने में लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि विनेश आप भारत का गौरव हैं और हर एक भारतीय की प्रेरणा हैं। आप में लड़ने की क्षमता है। आप सबल होकर लौटें, सारा देश आपके साथ खड़ा है। निस्संदेह, सारे देश की ऐसी ही सोच है। भले ही पेरिस ओलंपिक में उनके हाथ निराशा लगी हो, लेकिन उनके सामने तमाम स्वर्णिम अवसर विद्यमान हैं। बेशक, फाइनल में खेलने के लिये वह अयोग्य करार दे दी गई हों, लेकिन वे आगे मेहनत से और मेडल लाएगी। विनेश की जीत प्रशंसनीय थी और उन्होंने भरसक प्रतिबद्धता भी दिखायी। उन्होंने पहले के राउंड ही नहीं जीते बल्कि देश के लोगों का दिल भी जीता। लेकिन यह बात तो जरूर है कि उन्हें उनकी मेहनत का वह फल नहीं मिला, जिसकी वह हकदार थीं। लेकिन एक बात तो तय है कि विनेश और भारतीय खेल दल के कर्ता–धर्ताओं के स्तर पर भी लापरवाही तो हुई है। वजन की निगरानी बेहद सावधानी से होनी चाहिए। लड़कों के मामले में वजन घटाना आसान होता है। लेकिन लड़कियों के स्तर पर यह कठिन होता है क्योंकि उन्हें पसीना कम आता है। हालांकि, विनेश ने वजन घटाने के लिये कठिन प्रयास किये थे। खान–पान बेहद नियंत्रित किया था। लेकिन कहीं न कहीं कोई खामी तो रह ही गई। बहरहाल इसके बाद भी विनेश जहां तक गई, वो किसी मेडल जीतने से कम नहीं है। वैसे इस मामले में राजनीतिक बयानबाजी करना गलत ही है। साथ ही इस घटना का एक सबक यह भी है कि हमें वैश्विक स्पर्धाओं के नियमों को गंभीरता से लेना चाहिए।

बांग्लादेश को लेकर संजीदगी जरूरी

एजेंसी

बांग्लादेश और भारत तकरीबन 4100 किलोमीटर की सीमा को साझा करते हैं। असम (262 किलोमीटर), त्रिपुरा (856 किमी), मिजोरम (318 किमी), मेघालय (443 किमी) और पश्चिम बंगाल (2217) राज्यों के साथ बांग्लादेश की सीमाएं लगी हुई हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस देश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने को तैयार हैं। मोहम्मद यूनुस को आगे करने का फैसला राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन, आंदोलन के प्रमुख आयोजकों और बांग्लादेश की तीनों सेना प्रमुखों के बीच एक बैठक के बाद लिया गया। इधर बांग्लादेश में शेख हसीना वाजेद के देश छोड़ देने सहित जो घटनाक्रम हो रहे हैं उसे लेकर जहां एक ओर भारत सरकार का कोई साफ बयान नहीं आया है वहीं सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल से दीक्षित ट्रोलबाज अनेक तरह के भ्रम फैला रहे हैं। इससे न केवल भारत की आंतरिक समस्याएं बढ़ेंगी वरन दोनों देशों के बीच दूरियां भी बढ़ेंगी। सबसे बड़ी बात यह है कि इससे इस मसले को समझने में दिक्कत होगी जो बेहद पेंचीदा और केवल बांग्लादेश नहीं वरन भारत के लिये भी संवेदनशील है। इस मामले को जिस हल्केपन से लिया गया उसकी शुरुआत बांग्लादेश में भारतीय दूतावास के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह कहकर लोगों को नाराज कर दिया कि यह इस देश का अंदरूनी मामला है और इस पर भारत को कुछ नहीं कहना है। तब मोहम्मद यूनुस ने कहा भी था कि श्जब एक भाई के घर में आग लगी हो तो दूसरा भाई कैसे कह सकता है कि यह दूसरे घर का मामला है? उल्लेखनीय है कि यूनुस ने बांग्लादेश में ग्रामीण बैंक की स्थापना की है जिसका 64 देशों ने अनुसरण कर करोड़ों लोगों का जीवन बदला है। इस उपक्रम के लिये उन्हें नोबेल पुरस्कार भी दिया गया है। कायदे से जब बांग्लादेश में आरक्षण–विरोधी आंदोलन प्रारम्भ हुआ तभी भारत सरकार के विदेश मंत्रालय को अपना नजरिया साफ करना चाहिये था। इसके साथ ही दक्षेस (सार्क) देशों के सबसे बड़े व सर्वाधिक प्रभावशाली नेता के रूप में भारत को सहयोग की पेशकश करनी चाहिये थी। यह बात बहुत साफ है कि वहां यदि राजनीतिक अस्थिरता होती है या फिर सैन्य सरकार बनती है तो इसका भी व्यापक और प्रतिकूल असर भारत पर पड़ेगा। भारत सरकार इस मामले को लेकर कितना संजीदा है, इसका आभास मंगलवार को इस विषय पर हुई सर्वदलीय बैठक में देखने को मिला जिसमें सरकार की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हुए लेकिन खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनुपस्थित थे। लोकसभा में 3 और राज्यसभा में 7 सदस्यों वाली आम आदमी पार्टी को आमंत्रित ही नहीं किया गया था। इसका सीधा अर्थ है कि भाजपा सरकार इस अंतरराष्ट्रीय मसले पर आयोजित बैठक में भी सियासत करने की क्षुद्र हरकत से बाज नहीं आई। दूसरी ओर सभी विरोधी दलों ने, चाहे वे प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया के हिस्से हों या न हों, सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया और बतलाया कि सभी दल इस मामले को लेकर सरकार के साथ खड़े हैं। बांग्लादेश और भारत तकरीबन 4100 किलोमीटर की सीमा को साझा करते हैं। असम (262 किलोमीटर), त्रिपुरा (856 किमी), मिजोरम (318 किमी), मेघालय (443 किमी) और पश्चिम बंगाल (2217) राज्यों के साथ बांग्लादेश की सीमाएं लगी हुई हैं। जिस तरह से वहां के हालात हैं, इन राज्यों पर भी उसका असर हो सकता है। इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ केन्द्र की बैठक होनी चाहिये थी। इनमें सबसे महत्वपूर्ण प. बंगाल है जहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि अगर बांग्लादेश से लोग भागकर उनके राज्य में आते हैं तो उन्हें पनाह दी जायेगी। यह अब तक साफ नहीं है कि अन्य चार राज्यों का रवैया क्या रहेगा। चूंकि यह अंतरराष्ट्रीय मामला है अतः एक जैसी नीति अपनानी होगी। अलग–अलग राज्य वहां से आने वाले लोगों के लिये पृथक नीतियां नहीं अपना सकते।ममता के बयान से बांग्लादेश में थोड़ी नाराजगी है इसलिये आवश्यक है कि स्वयं केन्द्र सरकार साफ करे कि आने वाले लोगों को लेकर उसका रुख क्या होगा। इस गम्भीर मामले पर सोशल मीडिया पर अनेक अफवाहें फैलाई जा रही हैं। एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिन्हें लगता है कि वहां मुस्लिमों द्वारा अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के लिये यह जनक्रांति हुई है। वहां मंदिर तोड़े जाने की खबरें फैलाई जा रही हैं। इसके विपरीत ऐसी तस्वीरें आ रही हैं कि कई अल्पसंख्यकों के इलाकों तथा मंदिरों की रक्षा में बड़ी संख्या में ढाका विश्वविद्यालय के छात्र और युवा तैनात हैं। लोगों को समझना होगा कि वहां शेख हसीना के खिलाफ इसलिये विद्रोह हुआ है क्योंकि वह भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को प्रश्रय दे रही थीं। इसके अलावा उन्होंने संवैधानिक संस्थानों को कमजोर किया था। पिछले चुनाव में धांधली करने के भी उन पर आरोप लगे हैं। वहां के लोगों का मानना है कि उन्होंने भ्रष्ट तरीकों से चुनाव लड़कर बड़ा बहुमत पाया है अन्यथा बांग्लादेश को उन्होंने सेक्युलर और लोकतांत्रिक बनाये रखने की दिशा में कई कदम उठाये थे। वहां के लोगों का आर्थिक स्तर उठाने में भी उनकी नीति व कार्यक्रमों की सराहना होती है। केन्द्र सरकार द्वारा उन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अपनानी चाहिये जो इस विषय पर झूठ फैला रहे हैं। वहां लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सरकार जितनी बांग्लादेश के लिये जरूरी है उतनी ही भारत के लिये भी। ट्रोल आर्मी के सदस्य जैसे अपने देश में तानाशाह सरकार चाहते हैं वैसे ही वहां भी देखने के इच्छुक हैं– कम से कम उनके विचार तो यही बतला रहे हैं। भारत को वहां एक धर्मनिरपेक्ष तथा लोकतांत्रिक सरकार बनाने में हरसम्भव मदद करनी चाहिये क्योंकि भारत के ज्यादातर पड़ोसियों के साथ सम्बन्ध बिगड़ चुके हैं।

ओलंपिक या साजिश का अखाड़ा

सर्वमित्रा सुरजन

श्रीमान मोदी खुश हो सकते हैं कि विनेश फोगाट ओलम्पिक में कुश्ती के फाइनल मुकाबले में आने से पहले ही अयोग्य घोषित कर दी गईं। उनका वजन सौ ग्राम ज्यादा पाया गया, तो इसकी सजा ये मिली कि उन्हें फाइनल मुकाबला खेलने से रोका गया और इसके साथ ही उन्हें अब कोई पदक भी नहीं दिया जाएगा। यहां नरेन्द्र मोदी के लिए खुशी की बात यह है कि अब कम से कम उन्हें ये चिंता नहीं रहेगी कि अगर विनेश फोगाट ओलम्पिक में मिला पदक भी लोककल्याण मार्ग आकर उनके दरवाजे पर रख आतीं, तो फिर वे देश को क्या जवाब देते। वैसे भी देश को जवाब देना उन्होंने कभी जरूरी नहीं समझा। इसलिए 2024 के चुनावी घोषणापत्र में 2036 में ओलम्पिक कराएंगे, जैसी घोषणा वे कर देते हैं और उनके समर्थक इसी में खुश हो जाते हैं। विनेश फोगाट अगर बुधवार को कुश्ती का फाइनल मुकाबला खेलतीं तो फिर एक पदक मिलना तय ही था। स्वर्ण होता तो देश ज्यादा खुश होता, रजत होता, तब भी खुशी कम नहीं होती, क्योंकि पदक मिलना ही बड़ी बात थी। और विनेश फोगाट के मामले में ज्यादा बड़ी बात इसलिए थी क्योंकि उन्होंने पेरिस में क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबलों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को ही धूल नहीं चटाई, बल्कि पूरी मोदी सरकार को बड़ी पटखनी दी। हालांकि मोदीजी के लिए इसमें भी खुश होने की बात थी, क्योंकि वे तब यह कह सकते थे कि विनेश ने उनकी बात मानते हुए आपदा में अवसर तलाश लिया। उनके असंभव, अविश्वसनीय और अकल्पनीय किस्सों की कड़ी में यह किस्सा भी जुड़ सकता था कि मेरी पुलिस ने विनेश पर जोर आजमाइश की और मैंने उसके साथ नाइंसाफी होने दी, ताकि शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से उसकी मजबूती परख सकें। इस तरह श्री मोदी बड़े आराम से विनेश फोगाट के पदक लाने का श्रेय ले लेते और उनके समर्थक इसे सही साबित भी कर देते। चंद्रयान से लेकर टी–20 वर्ल्ड कप तक सारी उपलब्धियों पर यही तो होता आया है। किसी भी तरह की कामयाबी पर प्रधानमंत्री का चेहरा सामने आ जाता है और उसके पीछे नाइंसाफी की जितनी कालिख है, वो सब छिपा दी जाती है। देश ने देखा है कि मोदी सरकार ने विनेश के सामने तमाम तरह की आपदाएं खड़ी कीं। सरकारी, कानूनी तंत्र की लिंचिंग पर्याप्त नहीं लगी तो मीडिया और सोशल मीडिया की ट्रोल आर्मी के जरिए विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया जैसे खिलाड़ियों का भरपूर अपमान किया। मंगलवार को जब विनेश मैच खेल रही थीं, तो उसकी कमेंट्री साक्षी मलिक कर रही थीं। इधर देश में बजरंग पुनिया विनेश फोगाट पर सवाल उठाने वाले पत्रकारों को भाजपा की ट्रोल आर्मी का सदस्य बता रहे थे और पूछ रहे थे कि मोदीजी कब विनेश को फोन करके बधाई देंगे। लेकिन मोदीजी का न फोन आया, न ट्वीट आया। फिर जैसे ही बुधवार सुबह खबर आई कि महज सौ ग्राम ज्यादा होने से विनेश को मुकाबले के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है, उसके बाद ही नरेन्द्र मोदी का ट्वीट आ गया, जिसमें उन्होंने विनेश को चौंपियनों की चौंपियन बताया है और कहा है कि वे और मजबूत होकर वापसी करेंगी। मानो श्री मोदी इंतजार कर रहे थे कि कब उन्हें मौका मिले और वे सांत्वना के दो बोल लिखकर अपना कद ऊंचा दिखाएं। अब विनेश फोगाट किस तरह की वापसी करेंगी, इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, क्योंकि इन पंक्तियों के लिखने तक खबर थी कि अपना वजन कम करने के लिए विनेश ने रात भर साइकिलिंग की, वेट लिफ्टिंग की लेकिन वजन फिर भी कम नहीं हुआ। उसके बाद वो निराश होती गईं और अंत में बेहोश हो गईं। उन्हें ओलंपिक विलेज के ही पॉलिक्लीनिक में इलाज के लिए ले जाया गया है। अब सवाल यह है कि क्या वजन कम करने का सारा दबाव विनेश फोगाट अकेले झेल रही थीं। उन्हें इस हद तक व्यायाम क्यों करने दिया गया कि वे बेहोश ही हो जाएं। भारतीय ओलंपिक टीम का प्रबंधन, डॉक्टरों और आहार विशेषज्ञों की टीम क्या पेरिस घूमने गई है या उनकी कोई जवाबदेही मोदी सरकार ने सुनिश्चित की है। एक गंभीर सवाल यह भी है कि विनेश फोगाट को देश के सियासी अखाड़े में पस्त नहीं किया जा सका, तो क्या इसका बदला ओलंपिक के अखाड़े में लिया गया है। बुधवार सुबह ही जब खबर आ गई थी कि विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराया गया है तो सरकार ने फौरन कोई एक्शन क्यों नहीं लिया। प्रधानमंत्री का ट्वीट करना ही क्या पर्याप्त था, क्यों एक वैश्विक नेता की हैसियत से अपने देश की खिलाड़ी को इंसाफ दिलाने के लिए उन्होंने फौरन हस्तक्षेप नहीं किया। मान लिया कि खेल आयोजनों में राष्ट्राध्यक्षों की सीधी दखलंदाजी नहीं होती है, वहां के प्रोटोकॉल अलग होते हैं। लेकिन क्या फाइनल से पहले अयोग्य ठहराने वाले प्रकरण रोज होते हैं, जो सामान्य नियमों पर चला जाए। महाभारत में भी लिखा है कि असाधारण परिस्थितियों में आपद धर्म का निर्वाह करना पड़ता है। क्या यहां मोदी फिर से अपने धर्म के निर्वाह में नाकाम रहे। खेल मंत्री मनसुख मंडाविया का संसद में दिया बयान भी बेहद लचर था, जिसमें यह कहीं नजर नहीं आया कि मोदी सरकार को विनेश फोगाट के साथ हुई नाइंसाफी पर कोई अफसोस हो। बल्कि मंत्रीजी यह भी बता गए कि सरकार ने विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक के लिए 70 लाख रूपयों की मदद की। 80 करोड़ लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज का ढोल जिस तरह मोदी सरकार पीटती है, वही रवैया आज विनेश फोगाट मामले में अपनाया गया। जबकि हकीकत यह है कि जिसे सरकार मदद का नाम दे रही है, वह उसकी जिम्मेदारी है और यह जिम्मेदारी सरकार जनता के दिए टैक्स के पैसे से ही पूरी करती है, अपनी जेब से नहीं।

विनेश फोगाट को इंसाफ दिलाने के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा से आग्रह किया है कि वे इस संबंध में कड़ा विरोध दर्ज कराएं। पी टी उषा अभी पेरिस में ही हैं, लेकिन भारतीय ओलंपिक दल किसी भी तरह की कोशिश करता नजर नहीं आया। याद रहे कि जब महिला पहलवानों ने जंतर मंतर पर धरना दिया था, तब पी टी उषा ने उनके रवैये का विरोध किया था। अब इस अभूतपूर्व संकट में पी टी उषा किस तरह विनेश फोगाट के साथ खड़ी होती हैं, यह देखना होगा। पेरिस ओलंपिक में नीता अंबानी की इंडिया हाउस में की जा रही मेजबानी की भी खूब खबरें आ रही हैं। नीता अंबानी आईओसी की सदस्य भी हैं, क्या उन्हें इस मामले में कोई हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, अगर ऐसा नहीं कर सकतीं तो फिर विनेश फोगाट के साथ खड़े होने के लिए इस्तीफे की पेशकश ही कर दीजिए, तभी तो देशप्रेम और खेलप्रेम की मिसाल कायम होगी, वर्ना यहां भी व्यापार प्रथम ही नजर आ रहा है। वैसे इस पूरे प्रकरण में साजिश की बू शुरु से आई, इस पर आप सांसद संजय सिंह और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने भी लिखा है कि हमें पूरी उम्मीद है कि भारतीय ओलंपिक संघ इस निर्णय को मजबूती से चौलेंज कर देश की बेटी को न्याय दिलाएगा। किसान नेता राकेश टिकैत ने एक गंभीर बात कही है कि यह एक बेहद दुखद खबर है कि देश की बेटी को कोई अखाड़े में नहीं हरा पाया लेकिन साजिश के अखाड़े में हरा दिया गया है। देश का एक मैडल आज राजनीति का शिकार हो गया। यह देश इस दिन को कभी नहीं भूल सकता। सवाल यह है कि ओलंपिक को अगर साजिश का अखाड़ा बनाया गया है तो इसके पीछे किन लोगों का हाथ है।

क्या यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों का खात्मा जरूरी है ?

कानपुर जनपद में यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों की एक बड़ी 'जमात' तैयार हो चुकी है और इस 'जमात' में इनकी संख्या में दिनोंदिन इजाफा हो रहा है, जो कि 'सफेदपोशों' के लिये बड़ी परेशानी का कारण बनती जा रही है। वहीं इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता है कि मुख्यधारा के रूप में माने जाने वाले मीडिया संस्थानों में कार्य करने वाले 'कठपुतली पत्रकारों' को मैनेज करना आसान होता है किन्तु यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों को मैनेज करने का तात्पर्य है, 'मेढकों को तराजू पर तोलना'। इसके कतई दो राय नहीं कि यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों की यह 'जमात' उन सफेदपोशों के लिये एक जटिल समस्या का रूप ले चुकी है, ''जो रसूखदारों में गिने जाने के साथ–साथ, ईमानदारी का चोला पहने रहते हैं। 'वो' पर्दा के पीछे कुछ और होते हैं किन्तु पर्दा के सामने कुछ और दिखते हैं!''

अपने निजी नजरिये से मैं अपनी लेखनी से निकले शब्दों को संकलित करते हुए निजी विचारों के रूप आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं और 'सहमत' अथवा 'असहमत' के रूप के रूप में आप सबकी राय की प्रतीक्षा कर रहा हूं। इसके अलावा आपसे सवाल यह भी कि, ''क्या यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों का खात्मा जरूरी है ?''

कानपुर नगर की गिनती अब स्मार्ट सिटी में की जा रही है। लगभग हर प्रमुख सड़क व चौराहे पर कैमरे लगे हुए हैं। उन कैमरों की मदद से आम आदमी की बाइक एवं कार आदि के सम्बन्ध में यातायात नियमों का उल्लंघन करने के बावत 'चालान' होने के मामले तो प्रकाश में आ जाते हैं लेकिन वो नजारे कभी कैद होते नहीं पकड़े गये, जिनमें आटोध्लोडरध्ओवरलोड वाहनों आदि से 'नजराना' की वसूली की जाती है। वहीं 'वसूली' के नजारे जिनके कैमरों में कैद होते हैं वो होते हैं– यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों के कैमरे ! कटु किन्तु सत्य है कि, ''वसूलीबाज पत्रकार की संज्ञा पा चुके यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों की 'मंशा' पूरी ना होने पर, देखते ही देखते उनके कैमरों में कैद नजारे, सोशलध्डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हजारों ही नहीं करोड़ों लोगों तक पहुंच जाते हैं जिसके चलते 'तंत्र' के जिम्मेदारों की छवि पर बट्टा लग जाता है।''

स्मार्ट सिटी के सीमान्तीय थाना क्षेत्रों की बात करें तो मिट्टी का अवैध खनन, बालू का अवैध खनन में रात्रिकालीन प्रयुक्त किये जाने वाले टैक्टरों, डम्फरों, जेसीबी आदि के नजारे, दूसरे जिलों से आने वाले ट्रक, जिनके द्वारा पशुओं आदि की तस्करी की जाती है, के नजारे एवं हाई–वे पर भारी वाहनों से की जाने वाली वसूली के नजारे भी यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों के कैमरे ही कैद कर पाते हैं। किन्तु इस सच्चाई को कतई नकारा नहीं जा सकता है कि, ''वसूलीबाजों की संज्ञा पा चुके यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों की 'मंशा' ना पूरी होने पर, देखते ही देखते वो नजारे सोशलध्डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हजारों ही नहीं करोड़ों लोगों तक पहुंच जाते हैं और 'तंत्र' के लिये किरकिरी बन जाते हैं।''

शहर के अनेक होटलों में होने वाले अनैतिक कृत्यों, अनेक थाना क्षेत्रों में होने वाले सट्टा–जुआ, नियत किये गये समय से पहले और बाद में शराब ठेकों पर होने वाली शराब की बिक्री व उनके पास चलने वाली अवैध कैण्टीनों के नजारे, अधिकतर, यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों के कैमरे ही कैद कर पाते हैं। इसके बाद सौदेबाजी भी शुरू होती है। लेकिन, ''वसूलीबाजों की संज्ञा पा चुके यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों की 'मंशा' ना पूरी होने पर, देखते ही देखते ये नजारे सोशलध्डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित होते देखे जा सकते हैं। जिसके चलते स्थानीय स्तर पर 'नजराना' लेने वालों के लिये सिरदर्द बन जाते हैं।''

अवैध हास्पिटलों व नर्सिंग होम्स, अवैध निर्माणों, अवैध स्कूलों, अतिक्रमण, अनेक विकास कार्यों में किया जाने वाला 'भ्रष्टाचार', इनसे सम्बन्धित समस्त अधिकारियों से छुपा नहीं है। न्योछावर के चक्कर में सब कुछ जानते व देखते हुये धृतराष्ट्र की भूमिका में रहते हैं जबकि यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकार, उपरोक्त विषयक खबरों की खोज में रत रहते हैं। परिणाम यह होता है कि भ्रष्टाचार की पुष्टि करने वाले नजारे उनके कैमरों की जद में आ ही जाते हैं। विचारणीय पहलू यह है कि जिनको 'वेतन' मिल रहा है वो भी अलग से 'कुछ' पाने की चाहत हमेशा रखते हैं फिर तो बिना वेतन के अपना समय खर्च करने वाले यू–ट्यूबर व तथाकथित पत्रकारों के मन में 'कुछ' मिलने की चाहत पनपना स्वाभाविक है!

किन्तु देखने को यह मिल रहा है कि उनकी मंशा पूरी न होने पर वो 'तंत्र' की पोलखोलने में जुट जाते हैं। परिणाम यह होता है कि, 'न्योछावरखोरी' करने वालों की परेशानी बढ़ जाती है।

ऐसे अनेक विचारणीय बिन्दु हैं जिन पर 'बहुत कुछ' लिखा जा सकता है। फिर भी अब ज्यादा कुछ न लिखते हुए अपनी कलम को आराम दे रहा हूं।

जय भारत !

–श्याम सिंह 'पंवार'

(लेखकः लघु श्रेणी का पत्रकार है।)

शेख हसीना के जाने के बाद बांग्लादेश–भारत के लिए इसका क्या मतलब है?

नित्य चक्रवर्ती

भारत आज बांग्लादेश में अभूतपूर्व राजनीतिक उथल–पुथल का सामना कर रहा है, जब पिछले पंद्रह वर्षों से प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना वाजेद को सेना के जनरलों और उनकी अपनी सुरक्षा टीम के सदस्यों ने मात्र 45 मिनट के भीतर देश छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। वह अब दिल्ली में हैं और राजनीतिक शरण के लिए किसी पश्चिमी देश से हरी झंडी मिलने का इंतजार कर रही हैं।बांग्लादेश में पिछले तीन दिनों में घटनाक्रम इतनी तेजी से हुआ कि भारतीय खुफिया एजेंसियों को भी अंतिम समय में हुए घटनाक्रम के बारे में कोई पूर्व सूचना नहीं थी। भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी पड़ोसी देश में अचानक हुई घटनाओं से स्तब्ध हैं, जिसमें पिछले कई वर्षों से भारत की सरकारों ने राजनीतिक और आर्थिक पूंजी के मामले में सबसे अधिक निवेश किया है। पिछले कुछ वर्षों में घटित घटनाओं के इतिहास में जाये बिना, खासकर कोटा प्रणाली के खिलाफ शुरू में 36 दिनों तक चले छात्र आंदोलन और फिर अंतिम चरण में हसीना सरकार को हटाने के लिए एक व्यापक आंदोलन में बदल जाने के बाद, प्रदर्शनकारियों और सेना द्वारा दिये गये संकेत भारत के हितों के विपरीत हैं। भारत को अस्थिर द्विपक्षीय संबंधों के दौर के लिए तैयार रहना होगा। आइये, बांग्लादेश में हसीना के बाद के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें। अभी सेना प्रमुख वकर–उज–जमां ने बांग्लादेश का प्रशासन संभाल लिया है। उन्होंने अंतरिम सरकार के गठन के लिए अवामी लीग को छोड़कर सभी राजनीतिक दलों के साथ सोमवार की रात बैठक की। चर्चा में दक्षिणपंथी विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात–ए–इस्लामी ने हिस्सा लिया।

शोभिता धुलिपाला और नागा चौतन्य की आज होगी सगाई, पिता नागार्जुन करेंगे शादी की अनाउंसमेंट

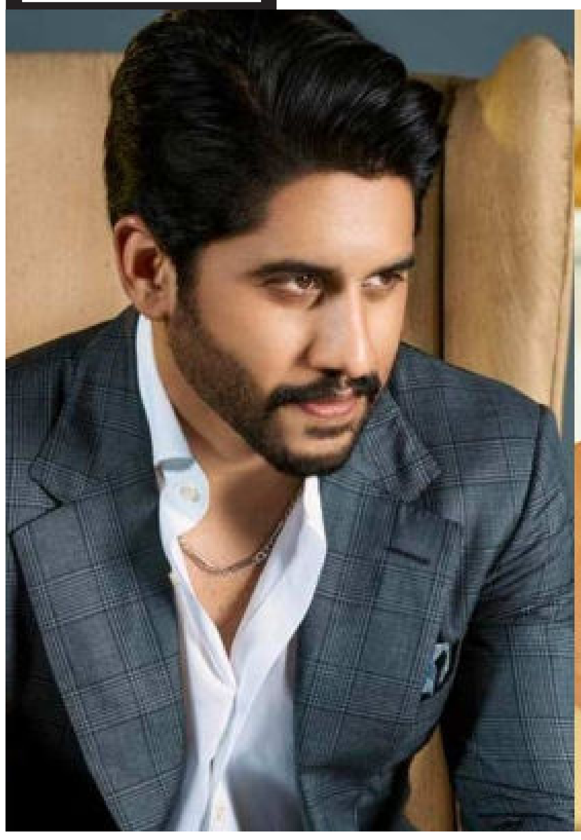

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार नागा चौतन्य अपनी फिल्मों के साथ–साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। वह पिछले काफी समय से डेटिंग रूमर्स को लेकर चर्चाओं में थे। खबर थी कि वह पिछले तीन साल से एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला को डेट कर रहे हैं। द ग्रेट आंध्र की रिपोर्ट की मानें तो, यह कपल आज हैदराबाद में सगाई करने वाला है। एक सूत्र ने पोर्टल को खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि चौतन्य के पिता और स्टार नागार्जुन उनकी शादी को लेकर सोशल मीडिया पर अनाउंसमेंट करेंगे। वहीं सगाई की तस्वीरें शुक्रवार के बाद इंटरनेट पर सामने आएंगी। सूत्र के अनुसार, यह कपल बहुत जल्द शादी करने जा रहा है। आज दोनों सगाई करेंगे। 2022 में नागा और शोभिता लंदन के एक रेस्तरां में लंच डेट पर साथ देखे गए थे। यहां से डेटिंग की अफवाहें सोशल मीडिया पर फैलनी शुरू हो गई। इस साल की शुरुआत में, नागा चौतन्य और शोभिता को यूरोप में छुट्टियां मनाते देखा गया था। बता दें कि नागा चौतन्य से पहले शोभिता का नाम फैशन डिजाइनर–फैशन ब्रांड ह्यूमन के को–फाउंडर प्रणव मिश्रा से जुड़ा था। वहीं, नागा चौतन्य ने पहले साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु से शादी की थी। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया, जिसमें ये माया चेसावे, माजिली, ऑटोनगर सूर्या, ओह! बेबी और मनम शामिल हैं। दोनों काफी अच्छे दोस्त थे, ये दोस्ती समय के साथ प्यार में बदल गयी। इसके बाद दोनों ने साल 2017 में शादी कर ली, शादी के महज चार साल बाद 2021 में यह कपल अलग हो गया। शोभिता की बात करें तो उनका जन्म 31 मई, 1993 को आंध्र प्रदेश के तेनाली में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थीं, और इसके बाद एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। वह क्लासिकल डांसर हैं। उन्होंने भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी भी सीखा है। 2013 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया अर्थ का टाइटल अपने नाम किया था। इसी साल वो मिस इंडिया पेजेंट में दूसरे स्थान पर रही। नेटफ्लिक्स की शॉर्ट फिल्म 'घोस्ट सीरीज' में गर्भवती महिला नेहा के किरदार से अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया। 2019 में आया जोया अख्तर के शो श्मेड इन हेवन ने उनके करियर को आगे बढ़ाया और एक अलग पहचान दिलाई। वह द नाइट मैनेजर, पोन्नियन सेल्वन और पोन्नियन सेल्वन 2, मेड इन हेवन सीजन 1 और 2 के लिए मशहूर हैं। उन्हें पिछली बार देव पटेल की निर्देशित पहली फिल्म मंकी मैन में देखा गया था। हिंदी के अलावा, उन्होंने गुडाचारी, मेजर, मूथन और कुरुप जैसी तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में भी काम किया है। वहीं नागा चौतन्य ने अपने करियर में कई बंपर हिट फिल्में दी। फिल्म जोश से इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद उन्होंने साहसम स्वसागा सागीपो, प्रेमम, जोश, माजिली, सहसम स्वसगा सगीपो, लव स्टोरी, सूर्या जैसी कई फिल्मों में काम किया।

> एक सूत्र ने पोर्टल को खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि चौतन्य के पिता और स्टार नागार्जुन उनकी शादी को लेकर सोशल मीडिया पर अनाउंसमेंट करेंगे। वहीं सगाई की तस्वीरें शुक्रवार के बाद इंटरनेट पर सामने आएंगी।

डेनिम लुक में हाजी अली दरगाह पहुंचे अक्षय कुमार, चढ़ाई चादर

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार एक साल में सबसे ज्यादा फिल्में करने के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्म खेल खेल में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के रिलीज होने से पहले वह मुंबई के मशहूर हाजी अली दरगाह पहुंचे और चादर चढ़ाकर दुआएं मांगी। इस दौरान वह कैजुअल आउटफिट में नजर आए। उन्होंने डेनिम शर्ट और जीन्स पहनी हुई थी। दरगाह प्रबंधन ट्रस्ट ने उनका शानदार स्वागत किया। बता दें कि अक्षय अक्सर मंदिर–मस्जिद जाते रहते हैं। कुछ महीने पहले वह राजस्थान के पुष्कर स्थित प्रसिद्ध ब्रह्मा मंदिर में दर्शन करने गए थे। वहां उन्होंने मंगला आरती में भी हिस्सा लिया। उनकी वहां की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुईं। तस्वीरों में वह भगवान ब्रह्मा की मूर्ति के सामने खड़े नजर आ रहे हैं और उनके हाथ में कुछ सामान भी है। हाल ही में उनका एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ, जिसमें वह लंगर में सेवा करते दिख रहे हैं। इस वीडियो को अक्षय कुमार के फैन पेज पर शेयर किया गया। बताया जा रहा है कि इस लंगर का आयोजन एक्टर ने कराया था। वीडियो में वह चेहरा छिपाने के लिए टोपी और मास्क लगाए हुए थे। वह खाना परोस कर बाहर एक महिला को पकड़ा रहे थे, जो लोगों में खाना बांट रही थी। अक्षय नेक कामों के लिए हमेशा चर्चाओं में रहते हैं। किसानों, सेना के जवानों, बाढ़ पीड़ितों और दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्रों में भी मदद में अपना भरपूर योगदान देते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, अक्षय श्खेल–खेल मेंश नजर आने वाले हैं। यह मल्टी–स्टारर फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होगी। इसमें अक्षय कुमार के अलावा फरदीन खान, एमी विर्क, आदित्य सील, वाणी कपूर, तापसी पन्नू और प्रज्ञा जायसवाल लीड रोल में हैं। फिल्म की कहानी में ये सभी आपस में दोस्त हैं। सब मिलकर एक खेल खेलते हैं जिसके तहत सभी को अपने मोबाइल को अनलॉक करके सबके सामने रखना होता है। इस खेल में काफी चीजें सामने आती हैं, जैसे किसको, किसका कॉल आ रहा है, कौन किसके बारे में क्या सोचता है और कौन किसे क्या मैसेज भेज रहा है. .. इन सब बातों के सामने आने के बाद रिश्ते डगमगाने लगते हैं। फिल्म को मुद्दसर अजीज ने लिखा है और निर्देशन भी उन्हीं का है। राजेश बहल, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अजय राय फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी मनोज कुमार खटोई ने की है।

बिग बी ने शेयर की फैन मीट की तस्वीर, कहा- इस प्यार का कर्ज नहीं चुका पाऊंगा

एंग्री यंग मैन, बिग बी, शहंशाह और सदी के महानायक की उपाधि पाने वाले बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। उन्होंने बुधवार को एक्स पर फैन मीट की तस्वीरें शेयर कीं, जो उनके मुंबई के जुहू इलाके के घर जलसा के बाहर की हैं। उन्होंने कहा कि वह दर्शकों से मिले प्यार का कर्ज कभी नहीं चुका पाएंगे। तस्वीरों में, अमिताभ ने ब्लैक कलर की पैंट के साथ हुडी पहनी हुई है। उन्होंने लिखा, ष्यह प्यार एक बहुत बड़ा कर्ज रहेगा जिसे मैं कभी नहीं चुका सकता। बिग बी का करियर भारतीय सिनेमा में करीब छह दशकों तक फैला है। उन्होंने अपने करियर में काफी उतार–चढ़ाव देखे हैं। जिस कद और आवाज की वजह से उन्हें कई बार रिजेक्शन झेलने पड़े, वही आज लोगों को इतना पसंद है। अमिताभ बच्चन का जन्म 11 अक्टूबर 1942 में इलाहाबाद में हुआ। उन्होंने अपनी पढ़ाई दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज से की। पढ़ाई पूरी होने के बाद कोलकाता में बिजनेस एग्जीक्यूटिव के तौर पर सात साल तक काम किया। इसके बाद उन्होंने 1969 में मृणाल सेन की फिल्म भुवन शोम में वॉयस नैरेटर के रूप में काम किया, वहीं फिल्म सात–हिन्दुस्तानी से बॉलीवुड में कदम रखा था। उन्होंने आनंद, प्यार की कहानी, परवाना, रेशमा और शेरा, गुड्डी समेत कई फिल्में की, लेकिन पहचान उन्हें जंजीर फिल्म से मिली। इसमें उनकी जोड़ी जया बच्चन के साथ नजर आई। उनके करियर में चार चांद लगाने का काम 1975 में रिलीज हुई दीवार ने की। इसके बाद शोले से उन्होंने इंडियन सिनेमा में अपनी अलग मुकाम हासिल किया। धड़ाधड़ हिट फिल्में देने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने आनंद, कुली, रोटी कपड़ा और मकान, सिलसिला, लावारिस, नसीब, दो और दो पांच, याराना, सत्ते पे सत्ता, नमक हरामश, श्अभिमानश, सौदागर, नमक हलाल, अंधा कानून, अमर अकबर एंथोनी, त्रिशूल, डॉन, बागबान, ब्लैक पा, पीकू, ठग्स ऑफ हिंदुस्तान और पिंक जैसी कई सफल फिल्में दी। अमिताभ बच्चन को साल 1984 में पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, वह साल 2001 में पद्म भूषण, 2015 में पद्म विभूषण, नेशनल फिल्म अवॉर्ड, फिल्मफेयर अवॉर्ड और फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड समेत कई बड़े अवॉर्ड्स से सम्मानित हो चुके हैं।

द ब्लफ के सेट पर बच्ची बनी प्रियंका चोपड़ा, बारिश को देख गाने लगी नर्सरी राइम

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा का हॉलीवुड में भी जलवा कायम हैं। एक्ट्रेस अब जल्द ही हॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म श्द ब्लफश में नजर आने वाली हैं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के सेट से एक छोटा सा वीडियो शेयर किया। वीडियो में बूंदाबांदी होती दिखाई दे रही है। इस दौरान प्रियंका कहती हैं– द ब्लफ पर बारिश का दिन है। लेकिन, हम रुकते नहीं हैं। इसके बाद उन्होंने नर्सरी राइम रेन रेन, गो अवे, वी वॉन्ट टू प्ले गाया।वीडियो में सेट पर वीएफएक्स के लिए ट्रैक मार्क्स के साथ बड़ी ब्लू स्क्रीन दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस ने क्वींसलैंड में गोल्ड कोस्ट को जियो–टैग किया है। प्रियंका अक्सर फिल्म के सेट से पुरानी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। इससे पहले, प्रियंका ने कुछ बीटीएस फोटोज पोस्ट की थी, जिसमें वह खून से लथपथ दिखाई दीं। उनके हाथों में काफी सारे कट्स भी नजर आए। दरअसल, यह तस्वीरें एक्शन सीन्स की शूटिंग के दौरान की थीं। द ब्लफ की बात करें तो, यह फिल्म एक स्वाशबकलर ड्रामा है, जिसका डायरेक्शन फ्रैंक ई. फ्लावर्स ने किया, साथ ही जो बल्लारिनी के साथ मिलकर फिल्म की कहानी को लिखा है। फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले–ग्रीन और वेदांतेन नायडू भी हैं। यह फिल्म 19वीं सदी के कैरेबियाई द्वीप पर आधारित है। इसमें प्रियंका एक पूर्व महिला समुद्री डाकू की भूमिका में हैं, जिसे अपने अतीत का सामना करना पड़ता है। इससे उसके परिवार को खतरा होता है। प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वह हेड्स ऑफ स्टेट में नजर आएंगी। इसके अलावा चर्चा है कि वह फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा में आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी।

अर्जुन बिजलानी ने जन्नत जुबैर, अंकिता लोखंडे के साथ कजरा मोहब्बत वाला पर लगाए ठुमके

अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट के सेट से एक बिहाइंड द सीन (बीटीएस) वीडियो शेयर किया है। इसमें अर्जुन बिजलानी कजरा मोहब्बत वाला गाने पर जन्नत जुबैर रहमानी और अंकिता लोखंडे के साथ थिरकते नजर आ रहे हैं।अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार रील शेयर किया है। इंस्टा पर उनके 82 लाख फॉलोअर्स हैं। वीडियो में उन्हें सफेद पटियाला पैंट के साथ नारंगी रंग का टाई–डाई कुर्ता पहने हुए देखा जा सकता है। वह आशा भोसले और शमशाद बेगम द्वारा गाए गए कल्ट गाने श्कजरा मोहब्बत वाला पर डांस कर करते दिख रहे हैं।जन्नत नियॉन ग्रीन रंग की प्लेन साड़ी पहने हुए हैं, जिसके साथ उन्होंने मैचिंग स्लीवलेस ब्लाउज पहना हुआ है। उन्होंने ग्लैमरस मेकअप के साथ बालों को बन में बांधकर अपने लुक को पूरा किया।एक्सेसरीज के लिए जन्नत ने कुंदन चोकर नेकलेस, मैचिंग इयररिंग्स और चूड़ियां पहनी हैं।इस वीडियो में उनके साथ अंकिता लोखंडे भी दिखाई दे रही हैं। उन्होंने स्लीवलेस आउटफिट पहना हुआ है। बैकग्राउंड में हम अंकिता के पति विक्की जैन को देख सकते हैं। अर्जुन ने वीडियो को कैप्शन दियारू ष्कजरा मोहब्बत वाला, लाफ्टर शेफ्स, लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट ।शो की मेजबानी भारती सिंह करती हैं और शेफ हरपाल सिंह सोखी इसे जज करते हैं। इसमें एली गोनी, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, रीम शेख, निया शर्मा, सुदेश लहरी, कशमीरा शाह और कृष्णा अभिषेक भी शामिल हैं।'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' कलर्स पर प्रसारित होता है। अर्जुन ने 2004 में जेनिफर विंगेट के साथ युवा–आधारित सीरीज 'कार्तिका' से अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत की थी। 2005 में बिजलानी ने एक और शो 'रीमिक्स' में काम किया।इसके बाद उन्होंने कैडेट आलेख शर्मा के रूप में एक्शन–आधारित शो 'लेफ्ट राइट लेफ्ट' में अभिनय किया। अर्जुन रोमांटिक युवा शो 'मिले जब हम तुम' का हिस्सा भी रहे हैं। इसमें उनके साथ रति पांडे, सनाया ईरानी और मोहित सहगल भी थे। वह स्टंट–आधारित रियलिटी शो 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 11' के विजेता भी रहे हैं। साथ ही वह 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 14' को होस्ट कर चुके हैं। अर्जुन फिलहाल टीवी ओपेरा श्प्यार का पहला अध्याय शिव शक्ति में मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं।

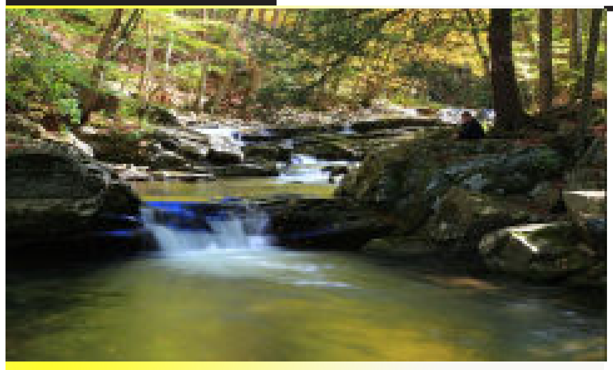

मानसून में बनाएं एमपी के भांडेर रेंज फॉरेस्ट घूमने का प्लान, स्वर्ग से कम नहीं है ये जगह

मध्य प्रदेश को भारत का दिल कहा जाता है। मध्य प्रदेश में कई ऐसी अनोखी और अद्भुत जगहें मौजूद हैं, जिनको देखने के लिए देश के हर कोने से पर्यटक पहुंचते हैं। एमपी ऐतिहासिक परिदृश्य से घिरा हुआ है। साथ ही यहां पर कई अद्भुत जगहें मौजूद हैं। मध्य प्रदेश में कई ऐसे जंगल मौजूद हैं, जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं।

मध्य प्रदेश में स्थित भांडेर एक ऐसा फॉरेस्ट रेंज है, जिसकी खूबसूरती को देख आपका मन भी मोहित हो उठेगा। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस भांडेर रेंज फॉरेस्ट की खासियत के बारे में बता रहे हैं, आप यहां पर मानसून में घूमने का प्लान बना सकते हैं।

कहां है भांडेर रेंज फॉरेस्ट

भांडेर रेंज फॉरेस्ट मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में स्थित है। इस फॉरेस्ट के पास में पेंच नेशनल पार्क भी मौजूद है।

इस फॉरेस्ट को सतपुरा रेंज फॉरेस्ट का हिस्सा माना जाता है। इसको कई लोग भांडेर पठार के नाम से भी जाना जाता है। इसका क्षेत्रफल 10,000 वर्ग किमी है। इस पठार के पूर्व में छोटा नागपुर पठार है। जिसको विन्ध्याचल पर्वत शृंखला का हिस्सा माना जाता है।

खासियत

भांडेर रेंज फॉरेस्ट की खासियत ही पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां के घने जंगल, बड़े–बड़े पहाड़, घास के मैदान और झील–झरने आदि इस जंगल की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं।

भांडेर रेंज फॉरेस्ट को वाइल्डलाइफ जीव–जंतुओं का घर भी माना जाता है। आपको यहां पर कई ऐसे जानवर देखने को मिल जाएंगे, जो देश के कई हिस्से से विलुप्त हो चुके हैं। इस जंगल में कई जड़ी–बूटियां भी मिलती हैं। भांडेर रेंज फॉरेस्ट में दर्जन से भी अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों को देख सकते हैं।

सैलानियों के लिए क्यों खास है भांडेर फॉरेस्ट

भांडेर रेंज फॉरेस्ट सैलानियों के लिए बेहद ही खास है। खासकर, जो पर्यटक प्रकृति के प्रेम करते हैं, उनके लिए यह जंगल किसी स्वर्ग से कम नहीं है। मानसून में इस जंगल की खूबसूरती चरम पर होती है। यहां का शांत वातावरण सैलानियों को खूब आकर्षित करता है।

जुलाई–अगस्त में जब यहां बारिश होती है, तो हर तरफ हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। यह जंगल मानसून ट्रेकिंग के लिए भी खूब जाना जाता है। ट्रेकिंग के दौरान कई अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है।

एडवेंचर एक्टिविटी

यहां पर आप कई मजेदार एक्टिविटी कर सकते हैं। वहीं इस जंगल में कई पर्यटक हाईकिंग, कैंपिंग और ट्रेकिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

इसके अलावा भांडेर रेंज फॉरेस्ट जंगल सफारी के लिए खूब फेमस है। आप हर मौसम में यहां पर जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही आप यदि फोटोग्राफी के शौकीन हैं, तो यहां पर फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

बता दें कि भांडेर रेंज फॉरेस्ट पहुंचना बेहद आसान है। आप किसी भी शहर से मध्य प्रदेश पहुंच सकते हैं। वहीं भांडेर फॉरेस्ट के सबसे पास में छिंदवाडा रेलवे स्टेशन है। जोकि राज्य के अलावा देश के कई हिस्सों से जुड़ा है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से भांडेर फॉरेस्ट करीब 401 किमी दूर है। वहीं यह नागपुर से करीब 85 किमी दूर है।

सफेद बालों को इन हेयर कलर से दें सैलून जैसा इफेक्ट, मिनटों में मिलेगा मनचाहा शेड्स

बहुत सारे लोग सफेद बाल होने पर हेयर कलर का उपयोग करते हैं। लेकिन हेयर कलर का इस्तेमाल सावधानी के साथ करना चाहए। क्योंकि आजकल मार्केट में कई ब्रैंड के हेयर कलर मिल जाते हैं। ऐसे में यदि हेयर कलर का चुनाव करते समय सावधानी न बरती जाए, तो आपको इचिंग, स्किन एलर्जी और रेडनेस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं लंबे समय तक इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से बालों के डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे लॉन्ग लास्टिंग हेयर कलर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो जल्दी नहीं छूटते हैं और साथ ही यह आपके बालों का टेक्सचर भी नहीं खराब करते हैं।

लॉरियल पेरिस सेमी पर्मानेंट हेयर कलर

ये सेमी पर्मानेंट हेयर कलर होता है, जोकि अमोनिया फ्री फॉर्मूले पर तैयार किया जाता है। इसमें शहद मिलाया कंडिशनर भी शामिल होता है। यह आपके बालों को ग्लॉसी फिनिश देने का काम करता है। वहीं आपको इसमें कई शेड्स मिल जाएंगे। सिर्फ 20 मिनट में यह हेयर कलर आपको घर पर ही सैलून जैसा फिनिश देता है। लॉरियल पेरिस सेमी पर्मानेंट हेयर कलर के एक पैक में आप कम से कम 28 बार अपने बालों को कलर कर सकती हैं।

टमहमजंस ठपव हेयर कलर सॉफ्ट ब्लैक

टमहमजंस ठपव सेमी पर्मानेंट कलर अमोनिया और पीपीडी फ्री होता है। इसमें रेसोर्सिनॉल, पैराबेन और एल्यूमिनियम भी नहीं रहता है। इसलिए इसको अप्लाई करने से आपको एलर्जी नहीं होती है। बता दें कि यह सौ फीसदी हर्बल सर्टिफायड ऑर्गेनिक हेयर कलर है, जिसको महिलाएं और पुरुष दोनों इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं इसमें मौजूद हर्बल इंग्रीडिएंट्स बालों को यूवी रेज के इफेक्ट से बचाने का काम करते हैं। जिससे बालों का नेचुरल टेक्सचर मौजूद रहता है।

ठपहमद स्पीडी हेयर कलर

इस हेयर कलर में क्रीम फॉर्म में कलर के साथ 40 ग्राम के दो कंडिशनर मिलते हैं। इस हेयर कलर को सिर्फ 5 मिनट अप्लाई करने से आपके बालों को मनचाहा कलर मिलता है। वहीं यह हेयर कलर लॉन्ग लास्टिक होने के साथ इसमें भीनी–भीनी खुशबू बनी रहती है। शायद ही आपको इससे तेज कलरिंग इफेक्ट अन्य किसी प्रोडक्ट से मिले। इस हेयर कलर को भी महिला या पुरुष कोई भी इस्तेमाल कर सकता है।

छंजनतजपदज पर्मानेंट हेयर कलर

यह एक परमानेंट हेयर कलर होता है, जोकि अमोनिया फ्री है। इसमें 92 फीसदी नेचुलर इंग्रीडिएंट्स मिले होते हैं और यह ैन्व। सर्टिफायड होता है। इसमें आपको 18 शेड्स मिलते है और यह पैरोबन और सल्फेट फ्री होता है। यह हेयर कलर आपके बालों को नरिशमेंट देने के साथ बालों का मॉइश्चर भी बनाए रखता है। इसमें प्लांट इंग्रीडिएंट्स जैसे– मीडोफोम सीड ऑयल और ऑलिव ऑलेइक एसिड जैसी चीजें होती हैं। जो आपके बालों को नुचरल बनाए रखने में मदद करती हैं।

च्तंकलमे नेचुरल ब्लैक

यह हेयर कलर आपको पर्मानेंट कलर नेचुरल लुकिंग रिजल्ट देता है। बता दें कि यह अमोनिया, पीपीडी और रिसॉर्सिनॉल फ्री होता है, जो लॉन्ग लास्टिंग इफेक्ट के लिए जाना जाता है। इस हेयर कलर के एक पैक में पर्मानेंट क्रीम कलर के साथ कलर केयर शैंपू, कलर केयर कंडिशनर, डेवलपर, एक ब्रश और डिस्पोजेबल ग्लोव्स भी मिलता है।

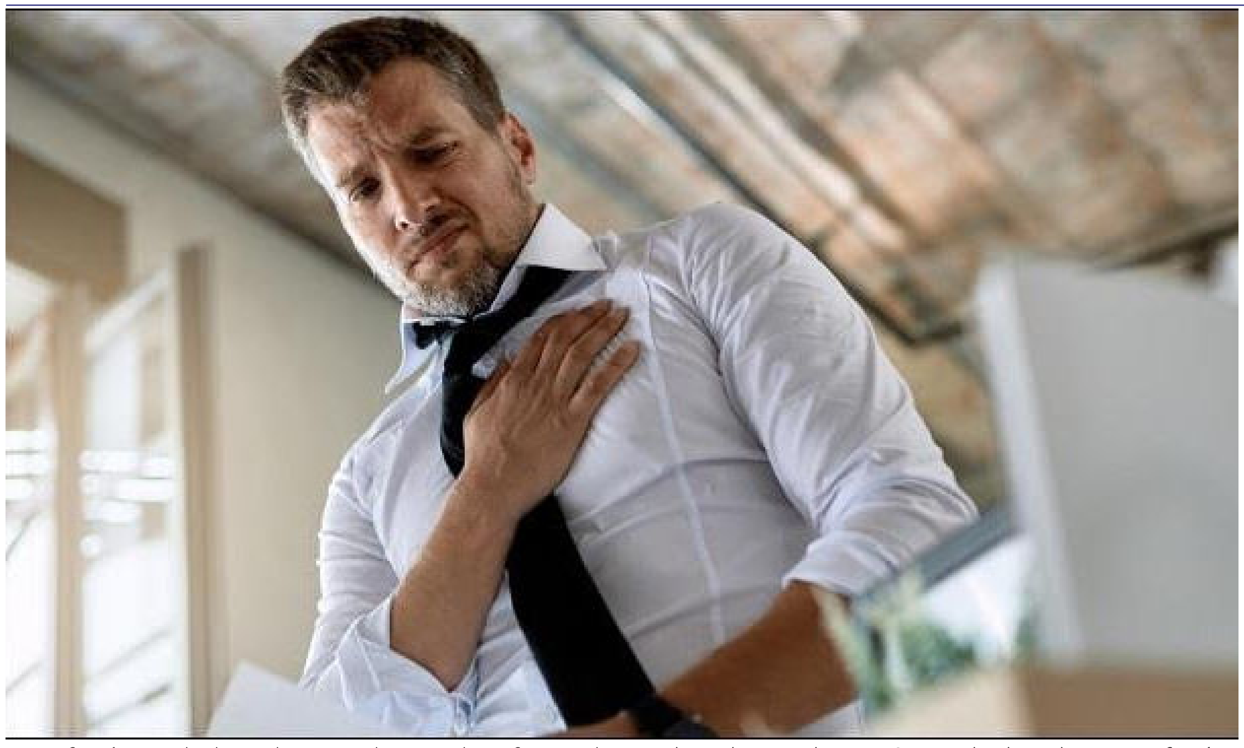

हार्ट अटैक आने से 2 दिन पहले दिखने वाले लक्षण! इग्नोर ना करें

हार्ट अटैक आने से पहले मरीज के शरीर में कई तरह के संकेत दिख सकते हैं, जिसे इग्नोर करना मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। अटैक आने से कुछ दिन पहले लगभग 50 फीसदी लोगों में इसके लक्षण नजर आते हैं। अगर आप समय रहते इसके लक्षणों पर ध्यान देते हैं, तो काफी हद दिल को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

डॉक्टर्स की माने तो हमारा शरीर, हार्ट अटैक से करीब 10 से 2 दिनों के बीच कई तरह के संकेत देता है।

तेजी से सांस लेना

तेजी से सांस लेना या फिर सांसें छोटी होना भी हार्ट अटैक से आने के पहले संकेत हो सकते हैं। कई बार लोगों को यह एलर्जी या फिर अन्य परेशानी लग सकती है। लेकिन इन संकेतों को इग्नोर करने से बचे।

कमर दर्द होना

कमद में दर्द होना या फिर जकड़न महसूस होना भी हार्ट अटैक आने से पहले के संकेत हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिख रहे हैं, तो फौरन अपने एक्सपर्ट से सलाह लें

चक्कर आना

हार्ट अटैक से कुछ दिनों पहले मरीजों को बार–बार चक्कर आना जैसा महसूस हो सकता है। अगर आपको बार–बार कमजोरी या फिर चक्कर आना जैसे फील हो रहा है, तो एक बार अपने डॉक्टर से चेकअप जरुर करवाए।

जबड़ों में दर्द होना

कुछ मरीजों को जबड़ों में दर्द जैसा महसूस हो सकता है। इस तरह के संकेतों को अक्सर लोग दांतों या फिर जबड़ों से जुड़ी परेशानी समझ लेते हैं। ऐसे संकेत नजर आए, तो तुरंत अपने डॉक्टर की मदद लें।

छाती में दर्द होना

मरीज को छाती में या फिर बांहों के आसपास दर्द जैसा महसूस होता है। अगर आपको ऐसे संकेत दिखे, तो डॉक्टर की सलाह लेना बिल्कुल भी न भूलें। अगर ऐसे लक्षण दिखे तो एक बार डाक्टर की सलाह जरुर लें।

कब्ज को दूर रखने में मदद करेंगे ये 5 फाइबर सुपरफूड्स

कब्ज एक ऐसी स्थिति है जिसमें मल त्याग करने में कठिनाई होती है, जिसके लिए अक्सर काफी प्रयास करने पड़ते हैं और जिसके परिणामस्वरूप मल त्याग कम होता है। आमतौर पर, कब्ज से पीड़ित व्यक्ति सप्ताह में केवल दो से तीन बार ही मल त्याग कर सकता है, और मल कठोर और सूखा हो सकता है। इससे काफी असुविधा और मानसिक परेशानी हो सकती है। दुनिया भर में कई लोग कब्ज से पीड़ित हैं, जो डिहाइड्रेशन, अपर्याप्त फाइबर सेवन, शारीरिक गतिविधि की कमी, कुछ चिकित्सा स्थितियों और कुछ दवाओं सहित विभिन्न कारकों से शुरू हो सकता है। जब कब्ज का इलाज नहीं किया जाता है, तो यह अधिक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। कब्ज को कम करने के लिए, अपने आहार में कुछ खास खाद्य पदार्थों को शामिल करने से मदद मिल सकती है। ये पांच खाद्य पदार्थ कब्ज को कम करने और बेहतर पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा, उचित मात्रा में पानी पीना, पर्याप्त फाइबर का सेवन करना और सक्रिय रहना कब्ज को रोकने के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये 5 खाद्य पदार्थ कब्ज से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं

हरी पत्तेदार सब्जियां : रिपोर्ट के अनुसार, हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से कब्ज की समस्या से काफी हद तक राहत मिलती है। चुकंदर, ब्रोकली, पत्तागोभी, गाजर, मक्का, हरी बीन्स, बटरनट स्क्वैश, पालक, आलू और एवोकाडो जैसे खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करना नियमित मल त्याग को बढ़ावा देने में अत्यधिक लाभकारी हो सकता है।

ताजे फल

फाइबर युक्त फल कब्ज से राहत दिलाने में मददगार माने जाते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सेब, खजूर, पपीता, आम, संतरा, नाशपाती, कीवी, स्ट्रॉबेरी, रास्पबेरी, ब्लैकबेरी और किशमिश जैसे फल कब्ज को कम करने में विशेष रूप से प्रभावी हो सकते हैं।

अलसी के बीज

मेडिकल न्यूज़ टुडे के अनुसार, अलसी के बीज कब्ज को कम करने में अत्यधिक प्रभावी होते हैं। अलसी के तेल से आंतों की गतिविधि बढ़ सकती है, मल त्याग में वृद्धि हो सकती है और मल मार्ग आसान हो सकता है।

फलीदार सब्जियां

फलीदार सब्जियां जिनमें विभिन्न दालें और बीन्स जैसे कि राजमा और छोले शामिल हैं, पाचन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। ये सब्जियां विटामिन बी6, पोटैशियम, फोलेट और जिंक जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं, जो मल त्याग को उत्तेजित करने और समग्र पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं।

पानी पिएं : शरीर के लगभग सभी जैविक कार्यों में पानी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कब्ज के प्राथमिक कारणों में से एक अपर्याप्त पानी का सेवन है। बहुत कम पानी पीने से कब्ज और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। कब्ज को रोकने और कम करने में मदद के लिए, प्रतिदिन कम से कम 2 लीटर पानी पीने की सलाह दी जाती है। हालाँकि प्रत्येक व्यक्ति की पानी की ज़रूरतें अलग–अलग हो सकती हैं, लेकिन अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो अपने सेवन को बढ़ाना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त

सैमसंग ने आग लगने, लोगों के घायल होने की घटनाओं के बाद 11.2 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक मॉडल वापस मंगाए

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। सैमसंग ने आग लगने के 250 मामले सामने आने और कई लोगों के घायल होने की शिकायत के बाद 'स्टोवटॉप' के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 11.2 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक मॉडल को वापस मंगाया है। अमेरिकी कंज्यूमर प्रोडक्ट सेफ्टी कमीशन (सीपीएससी) ने बृहस्पतिवार को दी गई सूचना में बताया, इन 'स्लाइड–इन रेंज' में आगे की तरफ नॉब लगे होते हैं जो गलती से चालू हो सकते हैं अगर इंसान या पालतू जानवर अनजाने में उनसे टकरा जाए तो भी यह चालू हो जाते हैं। इससे आग लगने का खतरा होता है। सीपीएससी के अनुसार, सैमसंग को 2013 से अभी तक 'नॉब' के अनजाने में चालू होने की 300 से अधिक शिकायत मिली हैं। आग लगने की करीब 250 घटनाएं हुई हैं। इनमें से कम से कम 18 घटनाओं में संपत्ति को काफी नुकसान हुआ और सात में पालतू जानवरों की जान चली गई। 40 लोग घायल हुए, जिनमें से आठ को चिकित्सकीय सहायता लेनी पड़ी। वापस बुलाए गए मॉडल मई 2013 और अगस्त 2024 के बीच सैमसंग.कॉम पर ऑनलाइन बेचे गए थे। साथ ही देशभर के खुदरा विक्रेताओं बेस्ट बाय, कॉस्टको, होम डिपो और लोव्स आदि के जरिये भी बेचे गए थे। सीपीएससी के अनुसार, जिन ग्राहकों से इन मॉडल को वापस बुलाया गया है उन्हें न्यू जर्सी स्थित सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स अमेरिका से संपर्क कर अपने मॉडल के अनुरूप निःशुल्क 'नॉब लॉक' या 'कवर' लेने का विकल्प दिया गया है। इस बीच, प्रभावित लोगों को बच्चों तथा पालतू जानवरों को 'नॉब' से दूर रखने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। घर से बाहर निकलने या सोने से पहले उसकी जांच करने को कहा गया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह बंद है।

अमेजन इंडिया ने 72 घंटे के अंदर राहत सामग्री पहुंचाने के लिए चार केंद्र स्थापित किए

मुंबई । ई–कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने आपदा प्रबंधन रणनीति के तहत 72 घंटे से कम समय में तत्काल राहत सामग्री पहुंचाने के लिए पश्चिम बंगाल में एक अस्थायी केंद्र सहित चार केंद्र स्थापित किए हैं। अमेजन इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि ठाणे (महाराष्ट्र), फरीदाबाद (हरियाणा), हैदराबाद (तेलंगाना) और पश्चिम बंगाल के पुरबा बर्धमान में स्थित ये

आपदा राहत सुविधाएं कंपनी को तेजी से संसाधन जुटाने और बाढ़, चक्रवात, शीत लहर जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित समुदायों की सहायता करने में सक्षम बनाएंगी। कंपनी ने कहा कि इन केंद्रों के स्थान देश के पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और पूर्वी क्षेत्र हैं। इन स्थानों का चयन नेटवर्क के महत्तम इस्तेमाल को ध्यान में रखकर किया गया है। अमेजन परिवहन सेवाओं के विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा इन्हें विकसित किया गया है। बयान के अनुसार, यह कदम इस वर्ष भारी वर्षा के कारण देश के कई भागों में आई बाढ़ को देखते हुए उठाया गया है। भारत और एशिया प्रशांत में अमेजन कम्युनिटी इम्पैक्ट प्रमुख अनीता कुमार ने कहा, "हमारे आपदा राहत प्रयास व्यापक लॉजिस्टिक नेटवर्क, वेयरहाउसिंग विशेषज्ञता और गैर–लाभकारी साझेदारों, समर्पित राहत कार्यकर्ताओं और जमीनी स्तर पर निस्वार्थ स्वयंसेवकों के साथ मिलकर काम करने के हमारे सहयोगी दृष्टिकोण के अनुसार तय होते हैं।" चल रहे राहत प्रयासों के तहत अमेजन ने 34 जिलों में 10,000 से अधिक परिवारों को सहायता प्रदान करते हुए प्रभावित समुदायों को 10,890 शेल्टर किट वितरित की हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बड़ा फैसला, 11 फीसदी कम की कर्मचारियों की संख्या, रिटेल सेगमेंट में सबसे अधिक कटौती

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड सबसे बड़ा फैसला ले चुकी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्ती वर्ष 2023–24 के दौरान बीते वर्ष की तुलना में 11 फीसदी कर्मचारियों की कटौती की है। आकंड़ों के अनुसार से संख्या लगभग 42 हजार है। ये जानकारी इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, यह लागत–दक्षता को दर्शाता है, तथा यह कमी विशेष रूप से खुदरा क्षेत्र में प्रमुख है। वर्ष 2023–24 में रिलायंस इंडस्ट्रीज में कर्मचारियों की कुल संख्या 347,000 थी, लेकिन 2022–23 में यह 389,000 हो गई। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, नई भर्तियों की संख्या भी एक तिहाई से अधिक घटकर 170,000 रह गई। रिलायंस में कारोबार

की नई लाइनें अब परिपक्व हो गई हैं और उन्हें डिजिटल पहलों से महत्वपूर्ण समर्थन मिल रहा है। अब वे परिचालन को अधिकतम शक्ति के साथ बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए एक मंच हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि जब नए व्यावसायिक अवसर सामने आएंगे और रणनीति में बदलाव आएगा तो कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि नहीं होगी। रिपोर्ट में एक प्रमुख ब्रोकरेज के विश्लेषक के हवाले से कहा गया है, ष्वे बहुत अच्छी तरह समझते हैं कि लागत प्रबंधन और दक्षता को कैसे बढ़ाया जाए। वर्ष 2023–24 के दौरान रिलायंस के रिटेल डिवीजन में कर्मचारियों की संख्या 60: यानी 207,000 होगी, जबकि उससे पहले के वर्ष में यह 245,000 थी। हालाँकि, रिलायंस रिटेल ने 2023–24 में 3,300 नए स्टोर भी खोले, जिससे कुल स्टोर की संख्या 18,040 हो गई। जियो के कर्मचारियों की संख्या 2023–24 में घटकर 90,000 रह जाएगी, जबकि पिछले वर्ष यह 95,000 थी। इन सबके बावजूद, रिलायंस का कर्मचारी लाभ व्यय 2023–24 में पिछले वर्ष की तुलना में 3 प्रतिशत बढ़ा, और 2021–22 की तुलना में 2022–23 में भी 33 प्रतिशत बढ़ा।

समापन समारोह में मनु के साथ पीआर श्रीजेश होंगे ध्वजवाहक, IOA का एलान, 11 अगस्त को है कार्यक्रम

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व के भीतर एक भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे। मौजूदा खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य जीतने के बाद श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया।

पेरिस। पेरिस ओलंपिक के समापन समारोह में मनु भाकर के साथ भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश भारत के ध्वजवाहक होंगे। भारतीय ओलंपिक संघ ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। आईओए ने अपने बयान में कहा, श्पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को नियुक्त करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को खुशी हो रही है। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व के भीतर एक भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे। मौजूदा खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य जीतने के बाद श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया। शुक्रवार को हॉकी इंडिया ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे। भारत ने गुरुवार को स्पेन को 2–1 से हराकर कांस्य पदक जीता और इसके साथ ही श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया। श्रीजेश लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन किया और विरोधी टीम के सामने दीवार बनकर खड़े रहे। स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में भी श्रीजेश ने अंतिम क्वार्टर में शानदार बचाव किए थे और उन्हें बढ़त लेने से रोका था। इस तरह टीम ने श्रीजेश को जीत के साथ विदाई दी।

संन्यास के फैसले पर क्या बोले श्रीजेश?

शुक्रवार को श्रीजेश के संन्यास के बाद फैंस लगातार उनसे वापसी की मांग कर रहे थे। इसको लेकर उन्होंने कहा, श्यह विदा लेने का सही समय है। मुझे लगता है कि ओलंपिक खेलों से विदा लेने का यह सही तरीका है, एक पदक के साथ। हम खाली हाथ घर नहीं जा रहे जो बड़ी बात है। मैं लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं लेकिन कुछ फैसले कठिन होते हैं। सही समय पर फैसला लेने से हालात खूबसूरत हो जाते हैं। इसलिए मेरा फैसला नहीं बदलेगा। टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है और इस मैच को इतना यादगार बना दिया। टोक्यो में मिले पदक की मेरे दिल में खास जगह है। इससे हमें आत्मविश्वास मिला कि हम ओलंपिक में पदक जीत सकते हैं।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 की मेजबानी को लेकर ठब्ब् ने सेना प्रमुख को लिखा पत्र, नहीं छोड़ी वर्ल्ड कप की मेजबानी की उम्मीद

महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अभी भी उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच देश की अंतरिम सरकार ने आपातकाल लगा दिया है। इस बीच बोर्ड ने गुरुवार को बांग्लादेश के आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वकर–उज–जमान को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजिन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर

उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच देश की अंतरिम सरकार ने आपातकाल लगा दिया है। इस बीच बोर्ड ने गुरुवार को बांग्लादेश के आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वकर–उज–जमान को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजिन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। टूर्नामेंट 27 सितंबर को अभ्यास मैचों के साथ शुरू होने वाला है। इस बीच आईसीसी बांग्लादेश की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उसने मेजबानी के विकल्पों पर भी विचार किया है। टूर्नामेंट को शिफ्ट करना पड़ता है तो बांग्लादेश के टाइम जोन वाले देश में इसे करान के संभावना है। भारत, यूएई और श्रीलंका इसकी आवश्यकता के अनुरूप है। वहीं नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गुरुवार को नए चुनाव होने तक देश चलाने के लिए नियुक्त किया गया। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देशश छोड़ने के बाद, बीसीबी के अध्यक्ष नजमुल हसन को भी बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

'गोल्डन ब्वॉय' को मिला 'सिल्वर', पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण

चौम्पियन नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक की भालाफेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बन गए लेकिन पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक में नये रिकॉर्ड के साथ बाजी मार ली। 26 वर्ष के नीरज का दूसरा थ्रो ही उनका एकमात्र वैध थ्रो रहा जिसमें उन्होंने 89 . 45 मीटर फेंका जो इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो था। इसके अलावा उनके पांचों प्रयास फाउल रहे। उन्होंने तोक्यो में 87.58 मीटर के थ्रो के साथ पीला तमगा जीता था। वहीं नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए दूसरा थ्रो ही 92.97 मीटर का लगाया। उन्होंने छठा और आखिरी थ्रो 91.79 मीटर का लगाया।पाकिस्तान का 1992 बार्सीलोना ओलंपिक के बाद यह पहला ओलंपिक पदक है। इससे पहले दस मुकाबलों में नीरज ने हमेशा नदीम को हराया था। पिछला ओलंपिक रिकॉर्ड नॉर्वे के आंद्रियास टी के नाम था जिन्होंने 2008 में बीजिंग खेलों में 90.57 मीटर का थ्रो फेंका था। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 88. 54 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

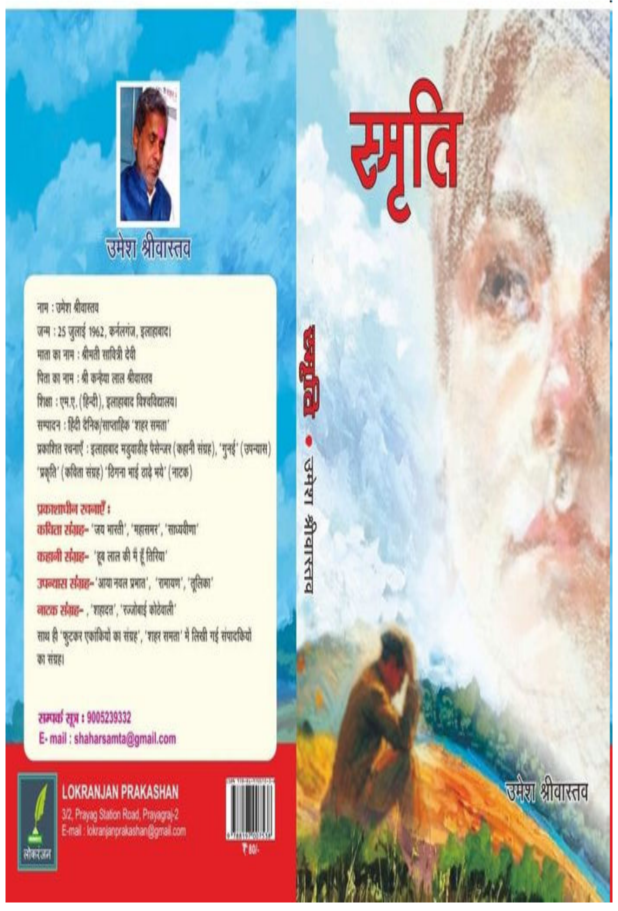

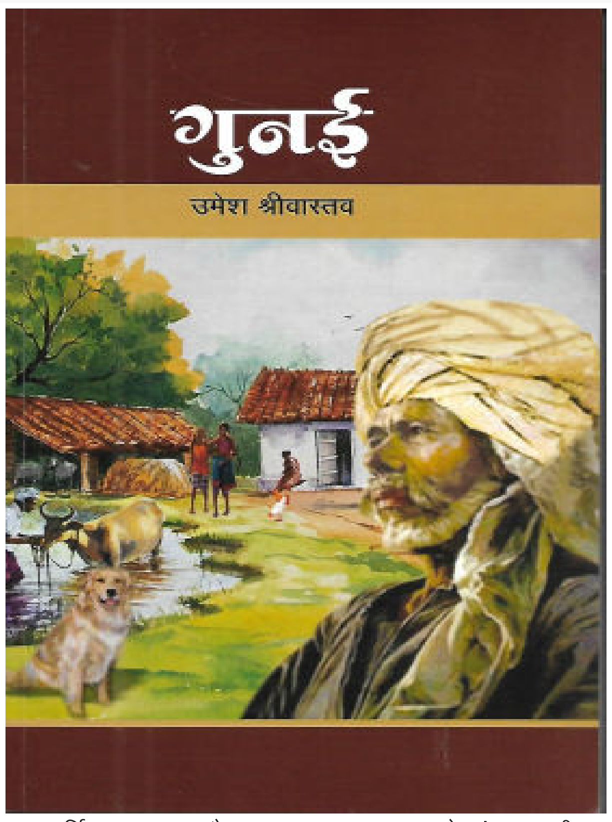

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

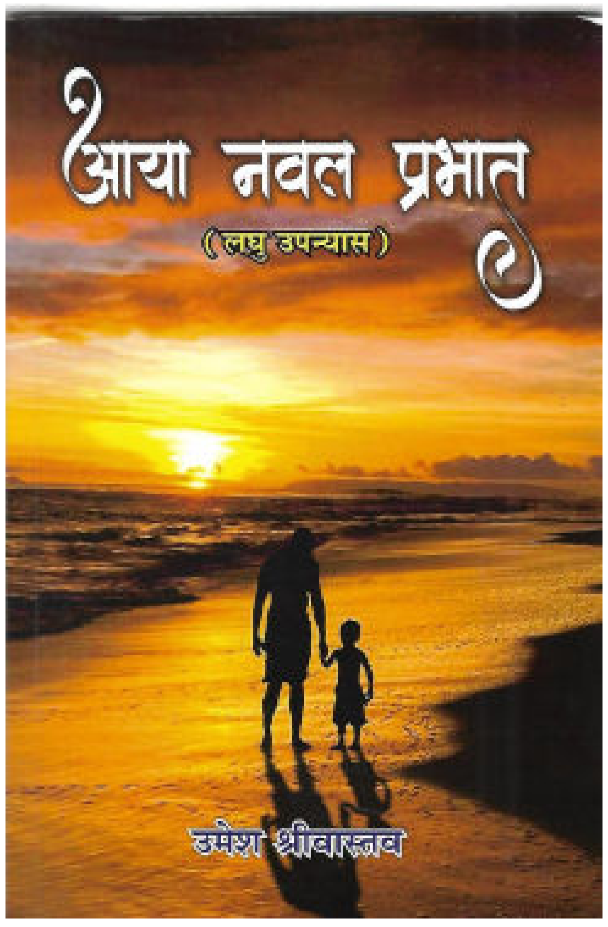

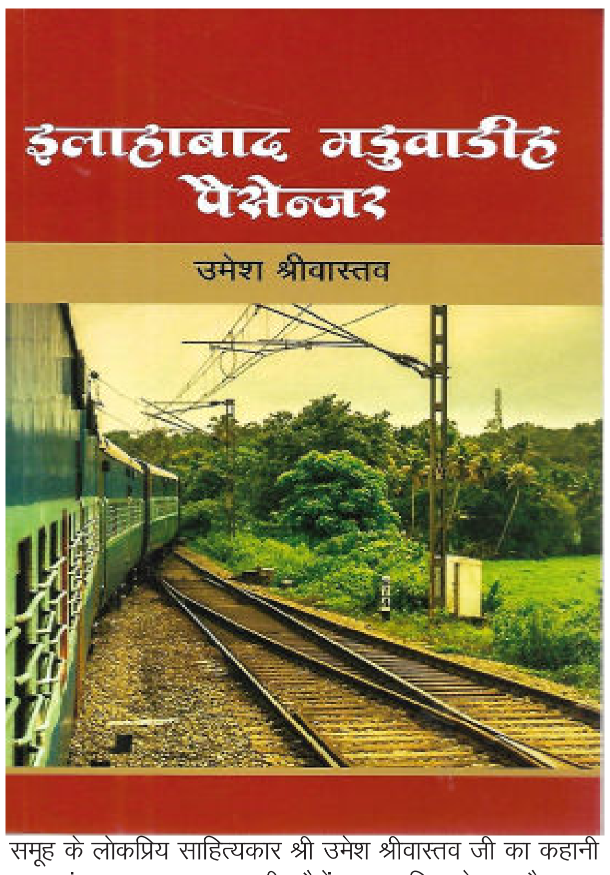

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

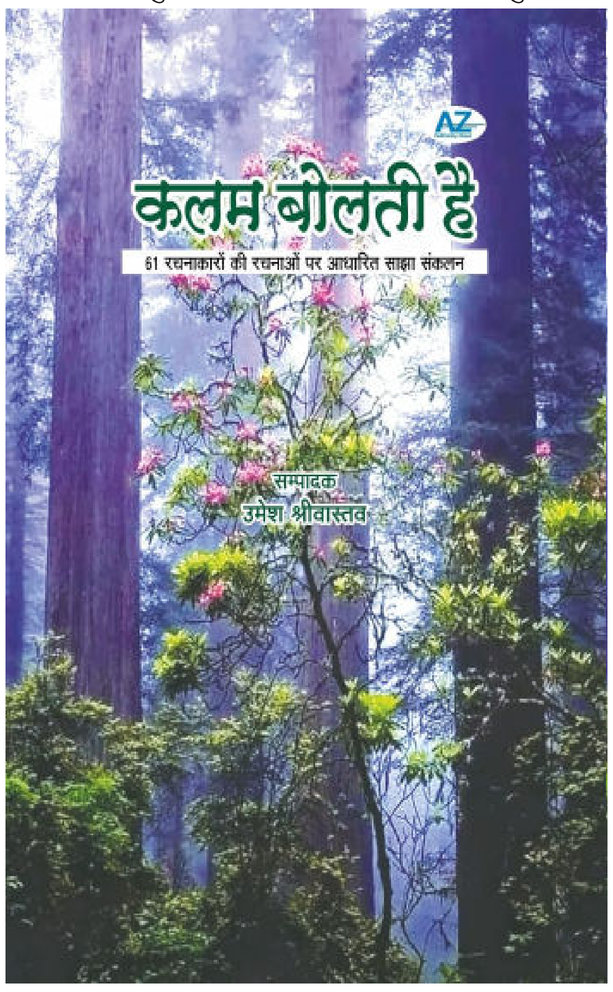

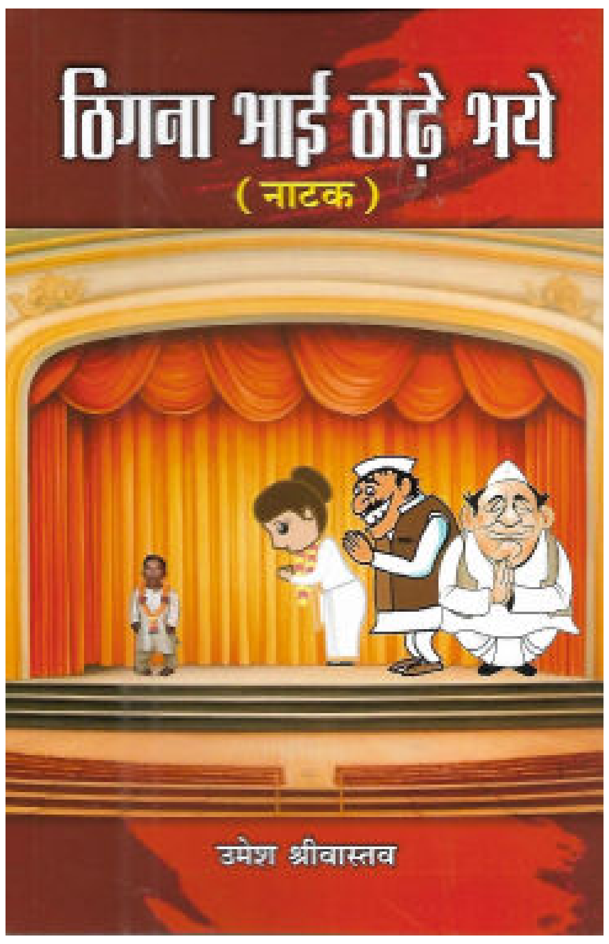

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

छमचंस में हवाई अड्डे से पांच भारतीय गिरफ्तार, लाखों रुपये बरामद

नेपाल में बृहस्पतिवार को पांच भारतीयों को बिना कोई स्रोत बताए लाखों नेपाली रुपये ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रकाश नारायण गुप्ता (44), अजय मिश्रा (43), आशीष गुप्ता (45), बिमल गुप्ता (46) और पंकज जायसवाल (39)को पश्चिमी

नेपाल के नेपालगंज नगर पालिका के रांझा हवाई अड्डे से सुरक्षा जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि वे सभी भारतीय नागरिक हैं और इस दौरान काठमांडू जाने वाले विमान में सवार होने वाले थे। पुलिस ने बताया कि उनके पास से 24 लाख नेपाली रुपए बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रंप और हैरिस 10 सितंबर को राष्ट्रपति पद की चुनावी बहस में भाग लेने पर सहमत : एबीसी

अमेरिका में इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने 10 सितंबर को चुनावी बहस के लिए सहमति व्यक्त की है, जिसमें दोनों उम्मीदवारों का आमना–सामना होगा। अमेरिकी व्यापारिक टेलीविजन प्रसारण नेटवर्क 'अमेरिकन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी' (एबीसी) ने यह जानकारी दी। इस घोषणा से कुछ देर

पहले ही ट्रंप ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्होंने तीन टेलीविजन नेटवर्क के समक्ष राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत तीन बहसों का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि वे सितंबर में कुछ निश्चित तारीखों पर सहमत हैं। इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत प्रथम बहस ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व उम्मीदवार जो बाइडन के बीच हुई थी। इस बहस में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर उम्मीदवारी छोड़ने के लिए चौतरफा दबाव था। बाद में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए हैरिस का नाम इसके लिए प्रस्तावित किया था।

7.1 की तीव्रता वाले भूकंप से दहला जापान, सुनामी की चेतावनी

संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, गुरुवार को दक्षिणी जापान में 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। स्थानीय मौसम विज्ञान एजेंसी ने तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। पूरे क्षेत्र में भूकंप के प्रभाव को दर्शाने वाले कई वीडियो सामने आए हैं। मॉल के अंदर के फुटेज में दुकानों में लटके कपड़े तेज़ी से लहराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भूकंप के झटके आते ही सड़कों पर कारें हिलती देखी गईं, जिससे निवासियों में अफरा–तफरी और डर बढ़ गया। इसका केंद्र जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के पूर्वी तट पर लगभग 30 किलोमीटर (18.6 मील) की गहराई में था। भूकंप के सबसे जबरदस्त झटके क्यूशू द्वीप के मियाजाकी प्रांत के निचिनान शहर और आसपास के इलाकों में महसूस किये गये। एजेंसी ने कहा कि भूकंप आने के लगभग आधे घंटे बाद क्यूशू के दक्षिणी तट के कुछ हिस्सों और निकटवर्ती शिकोकू द्वीप पर 50 सेंटीमीटर (1.6 फुट) ऊंची सुनामी की लहरें देखी गईं। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि अधिकारी भूकंप में हुई क्षति का आकलन कर रहे हैं, हालांकि इस संबंध में तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। जापान के एनएचके टेलीविजन ने कहा कि भूकंप के केंद्र के निकट मियाजाकी हवाई अड्डे पर खिड़कियों के टूटने की खबरें हैं।

दोबारा चुनाव की मांग के बीच राष्ट्रपति मादुरो का बड़ा फैसला, 10 दिन के लिए `एक्स' को किया ब्लॉक

काराकास। वेनेजुएला में दोबारा राष्ट्रपति चुनाव की मांग के बीच वर्तमान राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के खिलाफ एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने गुरुवार को कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को वेनेजुएला में 10 दिनों के लिए ब्लॉक कर दिया जाएगा। मादुरो ने यह बयान एक्स के संस्थापक एलन मस्क के दोबारा चुनाव के खिलाफ प्रतिक्रिया देने के बाद दिया।

तीसरी बार राष्ट्रपति चुने गए मादुरो

बता दें कि निकोलस मादुरौ लगातार तीसरी बार वेनेजुएला के राष्ट्रपति चुने गए हैं। वह 11 साल से सत्ता की बागडोर संभाल रहे हैं। हालांकि, इस बार विपक्षी नेताओं और दलों के एकजुट होने के कारण राष्ट्रपति मादुरो को पहली बार सबसे कठिन चुनावी चुनौती मिली। इस चुनाव में मादुरो के मुख्य प्रतिद्वंद्वी 74 वर्षीय एडमंडो गोंजालेज उरुतिया थे। करीब दो करोड़ पंजीकृत मतदाताओं ने राष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया था। राष्ट्रपति चुनाव में निकोलस मादुरो को 51 प्रतिशत वोट मिले। वहीं विपक्ष के नेता एडमुंडो गोंजालेज को 44 प्रतिशत मत मिले।

विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजावेज ने दी चुनौती

वर्तमान में विपक्ष के उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज उनकी जीत को चुनौती दे रहे हैं। गोंजालेज और विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान दावा किया था कि उन्हें 70 फीसदी से अधिक टैली शीट मिली हैं और वे गोंगालेज को मादुरो से आगे दिखाते हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वावेनेजुएला सरकार से राष्ट्रपति चुनाव का मतदान डेटा जारी करने का आह्वान किया।

विपक्ष ने किया मादुरो का विरोध

वेनेजुएला में परिणाम के बाद विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज के समर्थन में हजारों समर्थकों राजधानी कराकस में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालयों के बाहर इकट्ठा होकर प्रदर्शन किया। इस बीच मादुरो के सहयोगी टेलीविजन पर विपक्षी नेताओं पर फासीवादी होने का आरोप लगाते दिखे। विरोध प्रदर्शन में अबतक 11 लोगों की मौत होने की भी खबर है।

तोशाखाना केस में रिमांड पूरी होने के बाद भी नहीं मिली इमरान को जमानत, 11 दिन के लिए बढ़ाई गई हिरासत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक जवाबदेह अदालत ने नए तोशाखाना मामले में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की हिरासत 11 दिनों के लिए बढ़ा दी। इस मामले की सुनवाई की अध्यक्षता जवाबदेही अदालत के जज नासिर जावेद राणा ने की। उन्होंने तोशाखाना मामले में पूर्व पीएम और उनकी पत्नी की रिमांड खत्म होने के बाद 11 दिनों के लिए रिमांड को बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। 71 वर्षीय इमरान खान पिछले एक साल से अदियाला जेल में बंद हैं। उनके साथ उनकी पत्नी बुशरा बीबी भी जेल में ही बंद हैं। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने अदालत को बताया कि पिछले 10 दिनों की रिमांड में इमरान खान और उनकी पत्नी ने केवल दो बार ही जांच

दल के साथ सहयोग किया था। भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था ने जांच पूरी करने के लिए 14 दिन की अतिरिक्त रिमांड देने का अनुरोध किया था। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने 11 दिन तक रिमांड बढ़ा दी है और सुनवाई 19 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। बता दें कि तोशाखाना मामले में इमरान खान और उनकी बीबी ने पहले ही 24 दिन की रिमांड पूरी कर चुके हैं। एनएबी ने पूर्व पीएम और उनकी पत्नी पर तोशाखाना से गहने खरीदने और नियमों का उल्लंघन करते हुए उसे बेचने का आरोप लगाया है। तोशाखाना एक भंडार है, जहां विदेशी नेताओं द्वारा सरकारी नेताओं को दिए गए उपहार रखे जाते हैं। गुरुवार को सुनवाई के बाद इमरान खान ने पत्रकारों से बात की।

सरकार पर साधा निशाना

पत्रकारों से बात करते हुए पाकिस्तान के पूर्व पीएम ने दावा किया कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल–एन) के नेतृत्व वाली सरकार दो महीनों में गिर जाएगी। उन्होंने कहा, ष्ये मूर्ख समझ नहीं रहे कि इस सरकार के पास केवल दो महीने ही है। ये सरकार दो महीनों में गिर जाएगी। मेरे पास बहुत समय है, लेकिन उनके पास समय कम है।ष उन्होंने आगे कहा कि भले ही सरकार उन्हें सलाखों के पीछे रखे, लेकिन वह सत्ता के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। इमरान ने कहा, ष्मैं अपने खिलाफ सभी मामले लड़ रहा हूं और आगे भी लड़ता रहूंगा।ष बता दें कि इमरान खान पर 200 से अधिक मामले हैं, उनमें से कुछ में उन्हें दोषी ठहराया गया है। हालांकि, उन्हें जमानत मिल गई थी, लेकिन उन्हें रिहा नहीं किया गया था।

मुहम्मद यूनुस ले रहे थे प्रधानमंत्री पद की शपथ, इधर शेख हसीना ने पलट दिया खेल!

अवामी लीग ने कर दी नाकेबंदी

बांग्लादेश के नए मुखिया गरीबों के बैंकर कहे जाते हैं। बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक नई अंतरिम सरकार बनी है। शेख हसीना के इस्तीफे से लेकर नई सरकार के गठन तक, छात्र प्रदर्शनकारियों द्वारा रखी गई अधिकांश मांगें पूरी कर दी गई हैं। इस बीच, कुछ लोग हसीना को देश में वापस लाना चाहते हैं, इस हद तक कि उन्होंने ढाका–खुलना राजमार्ग पर भारी नाकेबंदी करते हुए घंटों तक विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन पूर्व प्रधान मंत्री की पार्टी अवामी लीग, उसके सहयोगी संगठनों और कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित किया गया था जिन्होंने शेख हसीना की वापसी की मांग की थी। अपने प्रशासन के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच वह इस सप्ताह की शुरुआत में ढाका से भाग गईं। शेख हसीना के समर्थकों ने अधिकारियों पर अवामी लीग के नेता और "बंगबंधु की बेटी" के खिलाफ अन्याय का आरोप लगाया। पार्टी नेता शेख मोकिमुल इस्लाम ने कहा कि शेख हसीना को तुरंत देश वापस लाया जाना चाहिए। एक निश्चित वर्ग ने छात्र आंदोलन चलाकर उन्हें देश से बाहर निकालने की साजिश रची। हम घटना पर न्याय चाहते हैं। हसीना समर्थक प्रदर्शनकारियों को स्थिति पर अपना गुस्सा व्यक्त करने के लिए टायरों में आग लगाते और हथियार लहराते देखा गया। कुछ प्रदर्शनकारियों को यह कहते हुए भी सुना गया कि वे हसीना के वापस आने तक अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

क्या हसीना वापस आ रही है?

हसीना के बांग्लादेश लौटने की संभावना तब है जब उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि पूर्व प्रधान मंत्री जिस क्षण अंतरिम सरकार चुनाव कराने का फैसला करेगी वापस चली जाएंगी। वह वर्तमान में नई दिल्ली क्षेत्र में एक सुरक्षित घर में शरण ले रही है। भारतीय मीडिया ने खबर दी है कि वह ब्रिटेन में शरण लेने की योजना बना रही है, लेकिन ब्रिटिश गृह कार्यालय ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। जॉय ने कहा कि देर–सबेर बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली होनी ही है और उम्मीद है कि यह बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और अवामी लीग के बीच होगी।

पोल सर्वेक्षण में डोनाल्ड ट्रंप से आगे निकलीं कमला हैरिस, लगातार बढ़ रही लोकप्रियता

डेमोक्रेट कमला हैरिस की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और राष्ट्रपति पद के लिए हुए ताजा पोल सर्वेक्षण में वह डोनाल्ड ट्रंप को पछाड़कर आगे निकल गई हैं। गुरुवार को जारी हुए पोल सर्वेक्षण में कमला हैरिस को 42 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है, वहीं डोनाल्ड ट्रंप पांच पॉइंट से पिछड़कर 37 प्रतिशत लोगों की पसंद बने हुए हैं।

लगातार बढ़ रही कमला हैरिस की लोकप्रियता

जुलाई में हुए सर्वेक्षण में कमला हैरिस को 37 प्रतिशत लोगों ने समर्थन दिया था। वहीं डोनाल्ड ट्रंप को 34 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला था। अब ताजा सर्वेक्षण के नतीजों से साफ है कि जैसे जैसे चुनाव प्रचार आगे बढ़ रहा है, कमला हैरिस की बढ़त भी मजबूत हो रही है। राष्ट्रीय स्तर पर हुए ताजा सर्वेक्षण में 2045 व्यस्क शामिल हुए। यह सर्वेक्षण 2–7 अगस्त के बीच कराया

गया। सर्वेक्षण में चार प्रतिशत लोगों ने निर्दलीय उम्मीदवार रॉबर्ट केनेडी जूनियर का समर्थन किया है। हालांकि जुलाई में हुए सर्वेक्षण में केनेडी जूनियर को 10 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला था।

डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस की योग्यता पर उठाए सवाल

कमला हैरिस की बढ़ती लोकप्रियता से कहीं न कहीं डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम भी चिंतित है। यही वजह है कि ट्रंप लगातार कमला हैरिस और उनकी योग्यता पर सवाल उठा रहे हैं। बीते दिनों ट्रंप ने कमला हैरिस पर नस्लभेदी टिप्पणी की थी और उनके अश्वेत मूल का होने पर सवाल उठाए थे। अब ट्रंप ने कहा है कि दुनियाभर में हालात खराब हो रहे हैं और दुनिया विश्वयुद्ध की तरफ बढ़ रही है। ट्रंप ने कहा कि कमला हैरिस हालात को संभालने के लिए सक्षम नहीं हैं। ट्रंप ने कमला हैरिस को बाइडन से भी खराब उम्मीदवार बताया। अभी कुछ समय पहले तक डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की रेस में सबसे आगे दिख रहे थे।

अमेरिकी जेल में भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत, 38 साल से गलत अपराध की सजा काट रहा था

अमेरिका में टेक्सास के एक व्यक्ति पर स्थानीय कार वॉश चेन के कई स्थानों पर टॉयलेट सीट के नीचे विस्फोटक रखने का आरोप लगाया गया है। आरोपी की पहचान पॉल मोसेस एल्डेन के तौर पर की गई है। उसे पिछले हफ्ते ही गिरफ्तार किया गया था। उसने टॉयलेट सीटों के नीचे छोटे विस्फोटक रखा था। पिछले महीने 27 जुलाई को पुलिस ने वॉश टब कार केंद्रों में हुई घटनाओं पर गौर किया। तीन मामलों मेंकार वॉश चेन के दो स्थानों पर टॉयलेट सीट के नीचे विस्फोट की घटना सामने आई। मैनेजरों ने पुलिस को बताया कि पहली दो घटनाएं 19 और 20 जुलाई की है। दूसरी घटना में एक महिला ग्राहक घायल हो गई थी। तीसरी घटना शाम के 5रू56 बजे घटी। इस दौरान एक कर्मचारी और एक बच्चा टॉयलेट में था। दो अलग अलग समय पर टॉयलेट के अंदर से दो धमाकों की सुनी गई। जांच के दौरान पुलिस ने फुटेज में पाया कि एल्डेन बाथरूम से बाहर निकलकर तब तक बाहर इंतजार करता रहा जब तक कि विस्फोटक नहीं फट गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।